सच बोलने की हिम्मत

# राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

अंक : 04 | वर्ष : 01 | साप्ताहिक (22 से 28 जनवरी 2026) | पृष्ठ 8 | मूल्य : 5/- रुपये | E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

हरियाणा में 8 डिग्री तक गिरा तापमान, पाला जमा

# 14 जिलों में कोहरे का अलर्ट, शीतलहर चली; हिसार का पारा सबसे कम 1.6⁰ रहा

**चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)**| पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली से लेकर यूपी तक उत्तर भारत के राज्यों में इस बार सर्दियों की पहली व्यापक बारिश शुक्रवार को बसंत पंचमी के दिन हुई। वहीं पहाड़ी राज्यों में हिमाचल और उत्तराखंड में बर्फबारी का इंतजार खत्म हुआ और जम्मू-कश्मीर व लाख के निचले इलाकों में पहली बार बर्फबारी हुई। शिमला में 90 दिन बाद सीजन की पहली बर्फबारी हुई।

पश्चिमी विक्षोभ के दस्तक देने के चाद मौसम ने करवट ली है। पिछले साल के नवंबर के पहले हफ्ते के बाद यह सबसे मजबूत पश्चिमी विक्षोभहै। शुक्रवार को मैदानों के अधिकांश इलाकों में जनवरी महीने के कोटे के बराबर बारिश हो चुकी है। अब 27 जनवरी से फिर मौसम बदलेगा और पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी व मैदानों में बारिश होगी।

हरियाणा में एक दिन पहले हुई बारिश के बा आज शनिवार को ठंड बढ़ गई है। पूरे प्रदेश में शीतलहर चल रही है। शुक्रवार को जहां दिन के तापमान में 8 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई, वहीं बीती रात को भी न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री तक गिर गया। हिसार, सिरसा व कई अन्य क्षेत्रों में सुबह पाला जमा मिला। हालांकि मौसम फिलहाल साफ है, धूप भी खिली है, लेकिन शीतलहर से ठंड बढ़ गई है।

**सबसे ठंडा शहरः** हिसार आज राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान गिरकर 1.6⁰ सेल्सियस दर्ज किया गया। यहाँ तापमान में कल के मुकाबले 10.7⁰ सेल्सियस की बड़ी गिरावट देखी गई। हिसार के कई क्षेत्रों में सुबह पाला जमा मिला।

**शीत लहर का असरः** हिसार के बाद नारनौल 2.5⁰ सेल्सियस और सिरसा 2.7⁰ सेल्सियस में भी भीषण ठंड का प्रकोप रहा। सिरसा में पाला भी जमा है। सोनीपत के सरगथल में तापमान 2.1⁰ सेल्सियस दर्ज किया गया।

**बारिश से बढ़ी ठिठुरनः** राज्य के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई है। अंबाला में सबसे ज्यादा 45.5 एमएम बारिश हुई, जबकि यमुनानगर (हथनीकुंड बैराज) में 38.5 एमएम और चंडीगढ़ में 27.1 एमएम वर्षा दर्ज की गई।

### इन जिलों को लेकर चेतावनी

आज हिसार, भिवानी, चरखी दादरी, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, रोहतक, झज्जर, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल, मेवात, फतेहाबाद और सिरसा जिलों में कोहरे को लेकर चेतावनी दी गई है। इन जिलों में सुबह के समय दृश्यता बेहद कम रह सकती है, जिससे सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित होने की संभावना है। वहीं अंबाला, पंचकूला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, कैथल और सोनीपत जिलों में फिलहाल कोई मौसम चेतावनी नहीं है।

### अब आगे कैसा रहेगा मौसम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग के सीनियर साइंटिस्ट डॉ. चंद्रशेखर के अनुसार हरियाणा में आज पंचकूला और यमुनानगर के आसपास हल्की बारिश की संभावना है। इसके बाद 26 शाम से मौसम में फिर बदलाव होगा। एक और पश्चिमी विक्षोभ के कारण 27 जनवरी को हरियाणा के अधिकतर इलाकों में बारिश होगी। इसके बाद 28 जनवरी के बाद फिर से हवाएं बदलेंगी और ठंड का दौर फिर से शुरू हो जाएगा।

# राज्यपाल पंचकूला, सीएम गुरुग्राम व मनोहर हांसी में करेंगे गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण

## भाजपा के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद भी इंद्रजीत का सूची में नाम नहीं

**चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)**| गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में 26 जनवरी को होने वाले समारोह में ध्वजारोहण करने वाले मुख्य अतिथि तय कर दिए गए हैं। राज्यपाल असीम घोष पंचकूला में ध्वजारोहण करेंगे। एटहोम राजभवन में होगा।

सीएम नायब सिंह सैनी गुरुग्राम में होने वाले समारोह में शिरकत करते हुए ध्वजारोहण मंत्रियों में सिर्फ मनोहर लाल ही करेंगे। खास बात यह है कि तीन केंद्रीय हरियाणा में ध्वजारोहण करेंगे। वे नए बने जिले हांसी के समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। प्रदेश में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनने के बाद तीसरे मौके पर भी ध्वजारोहण करने वाले मुख्य अतिथि की लिस्ट में केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का नाम नहीं है।

इसी प्रकार केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर का नाम भी सूची में नहीं है। वहीं, राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के पास सरकारी कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बनकर ध्वजारोहण करने का आखिरी मौका था, लेकिन उनका भी नाम सूची से गायब है। यह जरूर कहा जा सकता है कि राव इंद्रजीत और किरण चौधरी मुख्य अतिथि कहीं नहीं बन रहे हैं, लेकिन मंत्री बनीं उनकी बेटियां जरूर ध्वाजारोहण करेंगी। राव इंद्रजीत सिंह की बेटी एवं स्वास्थ्य मंत्री आरती राव फरीदाबाद तो राज्यसभा सांसद किरण चौधरी की बेटी एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी जींद में ध्वजारोहण करेंगी।

**उपमंडल स्तर पर निर्दलीय व भाजपा के विधायक, मेयर और जिप चेयरमैन भी फहराएंगे तिरंगा** : उपमंडल स्तर पर भाजपा व निर्दलीय विधायक ध्वजारोहण करेंगे। जिन उपमंडल पर भाजपा के विधायकों के दायरे में नहीं आते, वहां जिला परिषद चेयरमैन, डिविजनल कमिश्नर, मेयर ध्वजारोहण करेंगे। वहीं, महेंद्रगढ़ में ध्वजारोहण के लिए दो नाम लिखे गए हैं। इनमें मंत्री राव नरबीर सिंह और विधायक ओमप्रकाश यादव शामिल हैं।

### किस जिला मुख्यालय पर कौन करेगा ध्वजारोहण...

| मुख्यालय | नेता | मुख्यालय | नेता |
|---|---|---|---|
| ▪ यमुनानगर | अनिल विज | ▪ सिरसा | विपुल गोयल |
| ▪ भिवानी | रणबीर गंगवा | ▪ सोनीपत | श्याम सिंह राणा |
| ▪ हिसार | महिपाल ढांडा | ▪ अम्बाला | रेखा शर्मा |
| ▪ कुरुक्षेत्र | कृष्ण कुमार बेदी | ▪ नूंह | सुभाष बराला |
| ▪ महेंद्रगढ़ | राव नरबीर सिंह | ▪ पलवल | रामचंद्र जांगड़ा |
| ▪ पानीपत | कृष्ण लाल पंवार | ▪ चरखी दादरी | धर्मबीर सिंह |
| ▪ रेवाड़ी | गौरव गौतम | ▪ कैथल | नवीन जिंदल |
| ▪ झज्जर | राजेश नागर | ▪ करनाल | हरविंद्र कल्याण |
| ▪ रोहतक | अरविंद शर्मा | ▪ फतेहाबाद | कृष्ण लाल मिढ़ा |

### आरती बोलीं-राव की बात पूरा हरियाणा सुनता है...

**रेवाड़ी (राजधानी चौपाल)**| अहीरवाल में भाजपा के दो दिग्गजों के बीच चली आ रही जुबानी जंग में मंगलवार को आरती राव भी खुलकर कूद गई। आरती राव ने राव इंद्रजीत सिंह के विरोधियों को जवाब देते हुए कहा कि राव साहब जब बोलते है तो उन्हें सुनने के लिए पूरे हरियाणा के कान खड़े हो जाते हैं। उनके जैसी साफ छवि का नेता पूरे हरियाणा में शायद कोई होगा। अपने साथियों के साथ वे हमेशा ढाल बनकर खड़े रहते हैं। उनकी यहीं बातें कुछ लोगों को पसंद नहीं आती परंतु लोगों को बहुत पंसद आती है। आरती राव ने कहा कि पिता ने मुझे हमेशा ईमानदारी से काम करने और अपने लोगों के साथ खड़े रहना सिखाया है।

# नितिन नबीन ने बुलाई हरियाणा बीजेपी की मीटिंग सीएम सैनी, बड़ौली और संगठन मंत्री होंगे शामिल

**चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)**| भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते ही नितिन नबीन ने हरियाणा बीजेपी की पहली बैठक बुला ली है। नई दिल्ली में होने वाली इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा शामिल होंगे।

इस बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। हरियाणा के संगठनात्मक ढांचे को लेकर भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ प्रदेश के नेता मंथन करेंगे। इसके अलावा दक्षिण हरियाणा में पार्टी नेताओं के बीच चल रहे सियासी घमासान का भी बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष फीडबैक लेंगे। नई दिल्ली में हरियाणा निवास में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ हरियाणा के नेताओं की यह पहली बैठक होगी। इस बैठक को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। हरियाणा बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में बड़ौली ने बताया कि इस पर भी जल्द फैसला हो जाएगा। हालांकि हरियाणा भाजपा अध्यक्ष को लेकर फैसला राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय नेतृत्व को लेना है, वह अपने हिसाब से ही इस पर फैसला लेंगे। दरअसल, हरियाणा में पार्टी अध्यक्ष पर फैसला होना है। अभी मोहन लाल बड़ौली कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में ये जिम्मेदारी देख रहे हैं।

दक्षिण हरियाणा में बीजेपी नेताओं के बीच चल रही जुबानी जंग पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा अनुशासित पार्टी है, अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फरीदाबाद लोक सभा सीट से सांसद व केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, प्रदेश में तीनों मंत्री और पार्षदों को जल्दी बुलाया जाएगा उनसे बातचीत की जाएगी।

# प्रदेश में पहली बार तैयार होगा उपभोक्ता संतुष्टि सूचकांक

**चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)**| प्रदेश के 82 लाख से ज्यादा उपभोक्ता बिजली व्यवस्था से कितने संतुष्ट हैं, यह अब सामने आएगा। दरअसल, अब सभी पावर यूटिलिटीज में उपभोक्ता संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) व्यवस्था लागू होगी। ऐसा करने वाला हरियाणा पहला राज्य बनेगा। हरियाणा इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने इसे लागू करने के लिए तीन माह का समय दिया है। इसके अलावा अब उपभोक्ताओं की संतुष्टि के लिए सीएसआई का मूल्यांकन सेक्शन स्तर पर जूनियर इंजीनियर से लेकर उप-मंडल, मंडल और यूटिलिटी स्तर तक किया जाएगा।

एचईआरसी अध्यक्ष नंद लाल शर्मा ने राज्य सलाहकार समिति की 33वीं बैठक में बिजली निगमों के अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने उपभोक्ता संतुष्टि सूचकांक के अलावा दो और अहम निर्देश दिए। जिनमें बैलेंस्ड स्कोरकार्ड प्रणाली लागू करने व सभी पावर यूटिलिटीज को आईएसओ प्रमाणन प्राप्त कराना शामिल है। बैठक में चेयरमैन शर्मा ने हरियाणा पावर परचेज सेंटर की कार्यप्रणाली को और बेहतर करने की जरूरत बताई।

# सुप्रीम कोर्ट बोला-अरावली में रोक के बाद भी अवैध खननःइससे ऐसे हालात बनेंगे, जिन्हें सुधार नहीं सकेंगे; रोकने के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाएंगे

**जयपुर (राजधानी चौपाल)**| सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को अरावली पहाड़ियों पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि रोक बावजूद भी अवैध खनन चल रहा है। इससे ऐसे हालात बनेंगे, जिन्हें सुधार नहीं सकेंगे। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि खनन रोकने के लिए विशेषज्ञों की एक एक्सपर्ट कमेटी गठित करेगा। कोर्ट ने राजस्थान सरकार से गारंटी ली कि अरावली क्षेत्र में किसी भी तरह का खनन नहीं होने दिया जाएगा।

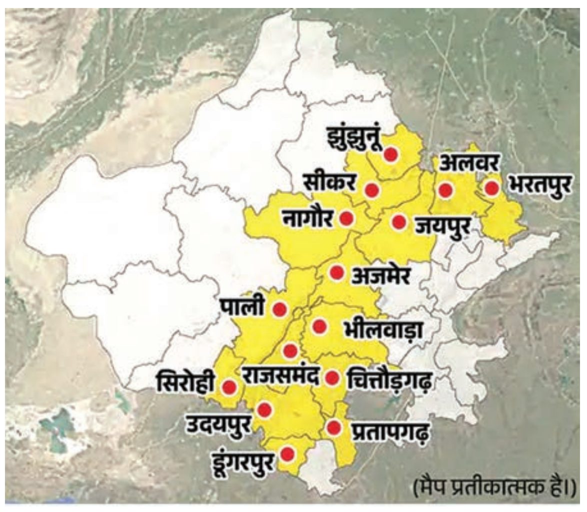

(मैप प्रतीकात्मक है।)

**कोर्ट ने पहले छोटी पहाड़ियों पर खनन का आदेश दिया, फिर वापस लिया था** : सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को जारी आदेश में 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों पर खनन के आदेश दिए थे। जिससे पूरे देश में 100 मीटर की परिभाषा को लेकर विवाद खड़ा हो गया था।

29 नवंबर को अपने ही आदेश पर रोक लगा दी थी। मामले की जांच के लिए एक्सपर्ट कमेटी गठित करने के निर्देश देते हुए केंद्र और अरावली के चार राज्यों (राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और हरियाणा) को भी नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर जवाब मांगा था।

**अरावली पर्वतमाला को संरक्षण करना महत्वपूर्ण** : सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा- यह कोई प्रतिद्वंद्वी मुकदमा नहीं है, बल्कि अरावली पर्वतमाला का संरक्षण करना उद्देश्य है। पीठ ने कहा- 29 दिसंबर 2025 के आदेश में स्वतः संज्ञान लेते हुए जिन पॉइंट को रेखांकित किया था। उन्हें देखते हुए अरावली की परिभाषा से जुड़े वैज्ञानिक, पर्यावरणीय, भूवैज्ञानिक एवं विधिक पहलुओं की पुनः समीक्षा के लिए स्वतंत्र विशेषज्ञ निकाय की आवश्यकता हो सकती है।

### सुप्रीम कोर्ट लाइव

- **बेंचः** पहले जारी अंतरिम आदेश जारी रहेगा।
- **सीजेआईः** कुछ तरह की अवैध गतिविधियां अब भी जारी हैं। अवैध खनन से ऐसे हालात बन सकते हैं, जिन्हें सुधारा नहीं जा सकेगा।
- **सीजेआईः** नई रिट याचिकाएं दाखिल न करें। हमें पता है कि ये याचिकाएं क्यों दायर की जा रही हैं।
- **वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल (हस्तक्षेप याचिकाकर्ता की ओर से):** हम अरावली का इतिहास जानते हैं। इसकी परिभाषा के पीछे विज्ञान होना चाहिए।
- **सीजेआईः** हमें अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों की जरूरत है। सभी लोग नाम सुझाएं। हम चरणबद्ध तरीके से एक्सपर्ट्स की टीम बनाएंगे।
- **कपिल सिब्बलः** कृपया 30 मिनट की प्रारंभिक सुनवाई हो। हिमालय और अरावली जैसी पर्वतमालाओं को परिभाषित नहीं किया जा सकता। इनमें टेक्टोनिक मूवमेंट होते रहते हैं।
- **एक अन्य वकीलः** हम कोर्ट के सुओ मोटो आदेश का स्वागत करते हैं। हमने किसानों के साथ जमीनी स्तर पर काम किया है, जियो-टैगिंग भी की है।
- **सीजेआईः** 29 दिसंबर 2025 के आदेश के संदर्भ में, कोर्ट के सामने एक व्यापक नोट और अहम सवाल रखे जाएंगे, ताकि सही फैसला लिया जा सके।
- **सीजेआईः** राजस्थान सरकार की ओर से के.एम. नटराजन ने कहा है कि राज्य तुरंत सुनिश्चित करेगा कि प्रदेश में कोई अवैध खनन न हो।
- **सीजेआईः** कपिल सिब्बल की ओर से दायर अंतरिम आवेदन मंजूर किया जाता है।

## अरावली केस; सुप्रीम कोर्ट का अपने ऑर्डर पर स्टेःपहले 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों पर खनन को मंजूरी दी थी, अब रोक लगाई

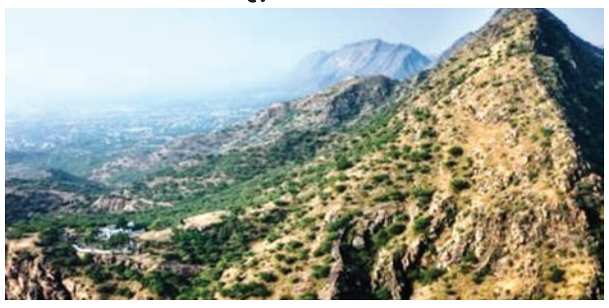

**जयपुर**| अरावली पर्वतमाला को लेकर उठे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही आदेश पर सोमवार को रोक लगा दी है। 20 नवंबर को जारी आदेश में 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों पर खनन के आदेश दिए थे, अब 21 जनवरी 2026 तक खनन पर रोक लगा दी है।

कोर्ट ने कहा है कि इस मामले की जांच के लिए एक्सपर्ट कमेटी गठित की जाए। यह कमेटी मौजूदा विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का विश्लेषण करेगी। इसके बाद संबंधित मुद्दों पर कोर्ट को सुझाव देगी। कोर्ट ने केंद्र और अरावली के चार राज्यों (राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और हरियाणा) को भी नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर जवाब मांगा है।

**सॉलिसिटर जनरल ने कहा- गलतफहमियां फैलाई जा रहीं** : सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि इस मामले में अदालत के आदेशों, सरकार की भूमिका और पूरी प्रक्रिया को लेकर कई तरह की गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं। इन्हीं भ्रमों को दूर करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसे अदालत ने स्वीकार भी किया था।
मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि अदालत की भी यही भावना है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट और उसके आधार पर अदालत द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर गलत अर्थ निकाले जा रहे हैं। सीजेआई ने संकेत दिया कि इन गलत धारणाओं को दूर करने के लिए स्पष्टीकरण की जरूरत पड़ सकती है, ताकि अदालत की मंशा और निष्कर्षों को लेकर कोई भ्रम न रहे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट या अदालत के फैसले को लागू करने से पहले एक निष्पक्ष और स्वतंत्र मूल्यांकन जरूरी है, ताकि कई अहम सवालों पर स्पष्ट दिशा मिल सके।

---

### रेवाड़ी- गुरुग्राम के लिए बड़ी सौगात

# दिल्ली-बावल कॉरिडोर को केंद्र की हरी झंडी; 36 हजार करोड़ से बदलेगी क्षेत्र की तस्वीर

**रेवाड़ी (राजधानी चौपाल)** | दक्षिण हरियाणा के लाखों यात्रियों का इंतजार खत्म होने जा रहा है। केंद्र सरकार ने बहुप्रतीक्षित दिल्ली-गुरुग्राम-रेवाड़ी-बावल सेमी हाई-स्पीड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय हाउसिंग एवं अर्बन अफेयर्स मंत्री मनोहर लाल ने केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह को पत्र लिखकर इसकी जानकारी साझा की है।

**सराय कोलेखां से बावल तक बनेगा पहला चरण** : योजना के अनुसार, नमो भारत ट्रेन कॉरिडोर को पहले चरण में दिल्ली के सराय कोलेखां से हरियाणा के बावल तक बनाया जाएगा। यह कॉरिडोर दिल्ली से अलवर तक प्रस्तावित 164 किलोमीटर लंबी परियोजना का मुख्य हिस्सा है। बावल से आगे अलवर (राजस्थान) तक का विस्तार अगले चरण में किया जाएगा।

**राव इंद्रजीत सिंह का संघर्ष लाया रंग** : गुरुग्राम के सांसद और केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह लंबे समय से इस प्रोजेक्ट की पैरवी कर रहे थे। उन्होंने 11 अगस्त और 20 सितंबर को मनोहर लाल को पत्र लिखकर कुछ महत्वपूर्ण चिंताएं जताई थीं:

**ट्रैफिक का दबावः** दिल्ली-गुरुग्राम और रेवाड़ी रोड पर बढ़ते जाम और राजस्व के नुकसान का हवाला दिया।

**अधिकारियों की मंशा पर सवालः** अधिकारियों ने कम यात्रियों का तर्क देकर प्रोजेक्ट को केवल धारूहेड़ा तक सीमित करने की कोशिश की थी, जिस पर राव ने कड़ा एतराज जताया और इसे बावल तक ले जाने की मांग दोहराई।

**समान विकासः** उन्होंने याद दिलाया कि जब मेरठ और पानीपत कॉरिडोर को विस्तार मिल सकता है, तो बावल और नीमराना जैसे औद्योगिक क्षेत्रों को इससे वंचित क्यों रखा जाए।

**आम जनता को क्या होगा फायदा** : वर्तमान में दिल्ली से रेवाड़ी या बावल जाने में सड़क मार्ग से घंटों का समय लगता है। आरआरटीएस के शुरू होने के बाद यह सफर मिनटों में तय होगा। इससे न केवल नौकरीपेशा लोगों को सुविधा होगी, बल्कि बावल और धारूहेड़ा के औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

### 36,000 करोड़ का मेगा प्रोजेक्टः खास बातें

- **लंबाईः** कुल परियोजना 164 किलोमीटर लंबी है, जिसमें से 75 किलोमीटर हिस्सा हरियाणा में पड़ेगा।
- **लागतः** इस प्रोजेक्ट पर लगभग 36,000 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।
- **स्टेशनः** पहले चरण में कुल 16 स्टेशन प्रस्तावित किए गए हैं।
- **कनेक्टिविटीः** यह कॉरिडोर दिल्ली, गुरुग्राम, धारूहेड़ा और बावल जैसे औद्योगिक और आवासीय केंद्रों को जोड़ेगा।

### हिसार के पर्वतारोही रोहताश का वर्ल्ड रिकॉर्ड

# यूरोप की ऊंची चोटी पर बिना ऑक्सीजन 24 घंटे बिताए, 8 साल की मेहनत

**हिसार (राजधानी चौपाल)** | हरियाणा के पर्वतारोही ने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रुस पर बिना ऑक्सीजन के 24 घंटे बिता दिए। हिसार के गांव मलापुर के रोहताश खिलेरी ने 18,510 फीट की ऊंचाई पर बिना किसी ऑक्सीजन सपोर्ट के लगातार 24 घंटे बिताने के बाद खुद वीडियो शूट किया। रोहताश ने दावा किया कि यह वर्ल्ड रिकॉर्ड है और वह ऐसा कारनामा करने वाले दुनिया के पहले इंसान हैं। वह 8 साल से पर्वतारोहण कर रहे हैं।

20 जनवरी को रोहताश जब माउंट एल्ब्रुस पर्वत पर थे, तब वहां का तापमान -40°C से -50°C तक था। 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही थी। बता दें कि रोहताश के पिता सुभाष चंद्र किसान हैं जबकि माता बंसी देवी गृहिणी हैं।

रोहताश ने सोशल मीडिया पर अपने एक्सप्रेशन शेयर करते हुए बताया कि यह जीत आसान नहीं थी। उनका यह सफर 2018 में शुरू हुआ था। 2020 में एक गाइड की जान बचाने के लिए उन्हें मिशन बीच में छोड़ना पड़ा और 2023 में खराब मौसम ने रास्ता रोका।

इस ऐतिहासिक मिशन के दौरान रोहताश को फ्रॉस्ट बाइट का सामना करना पड़ा, जिसमें उन्होंने अपनी 2 उंगलियां गंवा दीं, लेकिन उनके हौसले नहीं डिगे। इससे पहले बाबू चिरी शेर्पा ने 1999 में माउंट एवरेस्ट के शिखर पर बिना ऑक्सीजन के 21 घंटे बिताए थे, जो कि एक विश्व रिकॉर्ड बना।

पर्वतारोही ने बताया कि शिखर पर स्थिति बेहद भयावह थी। तापमान -40°C से -50°C तक था। कोई भी साथी इतनी ठंड में साथ रुकने को तैयार नहीं था, रोहताश वहां अकेले डटे रहे। रोहताश ने अपनी इस कामयाबी को तिरंगे की शान और देशवासियों को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि एवरेस्ट की ट्रेनिंग ने उन्हें इस जानलेवा ठंड में जीवित रहने और इतिहास रचने की ताकत दी।

पर्वतारोही रोहताश खिलेरी का इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज हुआ है। रोहताश को डाक के माध्यम से सर्टिफिकेट मिले। रोहताश ने वर्ष 2021 में 21 मार्च को अफ्रीका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो पर 24 घंटे रुककर तिरंगा लहराया था, जोकि 5,895 मीटर ऊंची है। इसके आधार पर खिलेरी का इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज हुआ है।

---

### हरियाणा के 2 जवान जम्मू-कश्मीर में शहीद

# एक साल पहले शादी हुई, पत्नी ढाई महीने की प्रेग्नेंट; दूसरा परिवार का इकलौता बेटा

**झज्जर/यमुनानगर (राजधानी चौपाल)**| जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को सेना की गाड़ी 400 फीट गहरी खाई में गिर गई। इसमें 10 जवान शहीद हो गए। शहीद हुए जवानों में हरियाणा के झज्जर जिले के मोहित चौहान (26) और यमुनानगर के सुधीर नरवाल (32) हैं। मोहित 5 साल पहले आर्मी में सिपाही के पद पर भर्ती हुए थे। करीब एक साल पहले ही उनकी शादी हुई थी। उनकी पत्नी ढाई महीने की प्रेग्नेंट है। वहीं, यमुनानगर के रहने वाले सुधीर नरवाल इकलौते बेटे थे। करीब दो साल पहले ही उनकी पोस्टिंग जम्मू-कश्मीर में हुई थी। सुधीर के पिता की मौत हो चुकी है। परिवार में पत्नी, बेटा और मां ही रह गए हैं। दोनों के पार्थिव शरीर आज इनके पैतृक गांव पहुंचने थे। हालांकि मौसम खराब होने के कारण देरी हो गई। अब कल इनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। उधर, सीएम नायब सैनी ने इस हादसे पर दुख जताते हुए दोनों शहीदों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

**सीएम ने सोशल मीडिया पर डाली पोस्ट में लिखा** : डोडा (जम्मू-कश्मीर) में भद्रवाह-चंबा इंटरस्टेट रोड पर हुए सड़क हादसे में हरियाणा परिवार के दो वीर सपूत असमय काल-कवलित हुए, यह हम सभी के लिए अत्यंत पीड़ादायी एवं मार्मिक है। दुःख की इस घड़ी में वीर सपूत मोहित चौहान जी और सुधीर नरवाल जी के परिजनों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं।

### पहले जानिए... जम्मू-कश्मीर में कैसे हुआ हादसा

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को सेना की गाड़ी 400 फीट गहरी खाई में गिर गई। इसमें 10 जवान शहीद हो गए, जबकि 11 को एयर लिफ्ट कर उधमपुर मिलिट्री हॉस्पिटल भेजा गया। हादसा भद्रवाह-चंबा इंटरस्टेट रोड पर खन्नी टॉप के पास हुआ। डोडा के डिप्टी कमिश्नर हरविंदर सिंह ने बताया कि सड़क पर बर्फ होने की वजह से ड्राइवर ने गाड़ी से कंट्रोल खो दिया था।

सेना के अधिकारी ने बताया कि गाड़ी में सवार 21 जवान डोडा से ऊपरी पोस्ट पर जा रहे थे। भद्रवाह-चंबा रोड जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश को जोड़ता है। रास्ते में ऊंचे पहाड़, गहरी खाई और घने जंगल हैं। सड़क बेहद संकरी है और कई जगह तीखे मोड़ हैं। जहां हादसा हुआ, उस खन्नी टॉप इलाके की समुद्र तल से ऊंचाई 9 हजार फीट है। यहां मौसम तेजी से बदलता है। ठंड और कोहरा छाया रहता है। बर्फबारी के बाद यह रास्ता ज्यादा खतरनाक हो जाता है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इस हादसे पर दुख जताया। इन्होंने कहा कि हमने अपने जिन वीर जवानों को खोया है, उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि डोडा से आई दुखद खबर सुनकर बहुत दुख हुआ।

### झज्जर के शहीद मोहित के बारे में...

गिजाड़ोध गांव के सरपंच नरेश ने बताया कि मोहित दो भाइयों में बड़े थे। उनका छोटा भाई जितेंद्र है, जो गांव में गाड़ी चलाता है। मोहित के पिता सतपाल खेती-बाड़ी करते हैं। मोहित के परिवार में और कोई सेना में नहीं है। वे अपनी मेहनत की बदौलत सेना में भर्ती हुए और अब देश के लिए जान गंवा दी। सरपंच ने आगे बताया कि मोहित के शहीद होने की खबर गांव में फैलते ही लोगों के बीच उनकी चर्चा होने लगी। लोग उनके देश के प्रति सेवा भाव और सेना में जाकर देश सेवा करने के किस्से आपस में सुनाने लगे। मोहित में सेना के प्रति भावना कूट-कूट कर भरी हुई थी।

### यमुनानगर के शहीद सुधीर के बारे में

शहीद सुधीर नरवाल यमुनानगर जिले के छछरौली ब्लॉक के शेरपुर गांव के रहने वाले थे। उनके पिता हरपाल सिंह का निधन वर्ष 2017 में ही हो गया था। पिता के जाने के बाद घर का सहारा बने सुधीर की शहादत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। पूरे गांव में शोक की लहर है और लोग शहीद के घर पहुंचकर परिवार को सांत्वना दे रहे हैं। सुधीर के चचेरे भाई सुशील कुमार ने बताया कि सुधीर अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उनके पिता हरपाल सिंह एक किसान थे। वे अक्सर सुधीर को सेना में भर्ती होने की बजाय कोई सिविल नौकरी करने की सलाह देते थे, क्योंकि वह उनके घर का इकलौता चिराग था।

# नारनौंद में टोल-प्लाजा पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा : फ्री लाइन से शुल्क कटने पर भड़के, टोल कराया फ्री

**हिसार/हांसी (राजधानी चौपाल)**| हांसी जिले के नारनौंद स्थित बास टोल प्लाजा पर गुरुवार शाम ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। बास बादशाहपुर के सरपंच प्रतिनिधि विनोद की अगुआई में आसपास के गांवों के लोगों ने एकजुट होकर टोल को मुफ्त करा दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि टोल प्रबंधन की लापरवाही के कारण मुफ्त लाइन से गुजरने के बावजूद उनसे टोल शुल्क काटा जा रहा था।

**14 गांवों के लिए टोल पूरी तरह मुफ्त** : सरपंच प्रतिनिधि विनोद ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे वे जींद से अपने घर लौट रहे थे। उन्होंने नियमानुसार मुफ्त लाइन से अपनी गाड़ी निकाली, लेकिन घर पहुंचने पर उन्हें टोल कटने का मैसेज मिला। उन्होंने यह भी बताया कि बास और आसपास के लगभग 14 गांवों के लिए टोल पूरी तरह मुफ्त है और इसके लिए एक अलग लाइन निर्धारित है, जिसमें टोल नहीं काटा जा सकता।

**टोल बूथ पर पहुंचकर आपत्ति जताई** : विनोद के अनुसार, पिछले करीब 10 दिनों से बास और आसपास के गांवों के कई लोगों के टोल लगातार कट रहे थे। इसी बात को लेकर ग्रामीणों में रोष बढ़ता गया और रात करीब 8 बजे बड़ी संख्या में लोग टोल प्लाजा पर जमा हो गए। ग्रामीणों ने टोल बूथ पर पहुंचकर आपत्ति जताई और टोल को मुफ्त करा दिया।

सरपंच प्रतिनिधि विनोद ने यह भी बताया कि टोल प्लाजा की शुरुआत के समय ही यह तय हुआ था कि आसपास के 14 गांवों के लोगों से किसी भी प्रकार का टोल शुल्क नहीं लिया जाएगा।

**टोल पर नई कंपनी ने कार्यभार संभाला** : ग्रामीणों का कहना है कि 1 जनवरी से टोल प्लाजा पर नई कंपनी ने कार्यभार संभाला है, जिसके बाद से यह समस्या शुरू हुई है। इस मुद्दे पर चर्चा के लिए शुक्रवार सुबह 11 बजे आसपास के सभी गांवों के लोग टोल प्लाजा पर एकत्रित होंगे। तब तक टोल पूरी तरह मुफ्त रहेगा।

**थाना प्रभारी ने किया समझाने का प्रयास** : थाना बास प्रभारी सब-इंस्पेक्टर बलवान सिंह भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में शुक्रवार सुबह टोल मैनेजर से बातचीत की जाएगी। वहीं सरपंच प्रतिनिधि विनोद ने साफ कहा कि जब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो जाता, तब तक ग्रामीण यहीं पर बैठेंगे।

**हाई-रेजोल्यूशन कैमरे, नंबर से कट रहा टोल- मैनेजर** : उधर टोल मैनेजर कृष्ण ने कहा कि यह गलती से हुआ है। कई बार हाई-रेजोल्यूशन कैमरे वाहन का नंबर पढ़ लेते हैं, जिससे टोल कट जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन गांवों का टोल पहले से फ्री है, उन्हें फ्री रखने पर कंपनी को कोई आपत्ति नहीं है। फिलहाल टोल मैनेजर ने पूरे मामले की जानकारी कंपनी मालिक को दे दी है।

बास थाना पुलिस सब इंस्पेक्टर बलवान सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। ग्रामीणों को समझा दिया गया है, लेकिन फिलहाल टोल फ्री चल रहा है।

# आयुष्मान योजना फेल होने से मरीजों का बुरा हालः ढांडा

**चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)**| आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि हरियाणा में आयुष्मान योजना के नाम पर मरीज परेशान हैं। अस्पतालों द्वारा आयुष्मान कार्ड स्वीकार न करना, सीमित पैकेज, इलाज के दौरान बार-बार अतिरिक्त भुगतान की मांग और निजी अस्पतालों की मनमानी, ये सब हरियाणा के मरीज की रोजमर्रा की सच्चाई बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत हरियाणा के निजी अस्पतालों का सरकार पर करोड़ों रुपए का बकाया लंबित है। इस कारण हाई कोर्ट ने जनवरी 2026 में केंद्र और राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। अस्पतालों का दावा है कि भुगतान में महीनों की देरी हो रही है, जिससे उनके लिए कैशलेस इलाज जारी रखना मुश्किल हो रहा है। भुगतान और अन्य तकनीकी कारणों से कई सरकारी और निजी अस्पतालों में ऑपरेशनों की लंबी वेटिंग लिस्ट भी हो गई है। जिससे मरीज भी समय पर इलाज न मिलने से परेशान हैं। इसके विपरीत पंजाब में लागू हुई मुख्यमंत्री सेहत योजना किसी भी आय वर्ग के व्यक्ति को 10 लाख तक का मुफ्त इलाज दे रही है, ताकि मरीज व परिजनों को कोई परेशानी न उठानी पड़े।

# हिसार में भांजा बन रिटायर्ड फौजी से 2 लाख रुपये ठगे

**हिसार (राजधानी चौपाल)**| हिसार के गांव खरड़ में एक रिटायर्ड BSF कर्मचारी के साथ रिश्तों का वास्ता देकर 2 लाख की साइबर ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है । ठग ने खुद को पीड़ित का रिश्तेदार बताकर इमोशनल जाल बुना और खाते में पैसे डलवा लिए। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता 75 वर्षीय तेलू राम ने बताया कि वह बीएसएफ से रिटायर्ड कर्मचारी हैं। 22 दिसंबर 2025 को उनके मोबाइल पर एक विदेशी नंबर (+31...) से वॉट्सऐप कॉल आया। फोन करने वाले ने कहा मैं विनोद बोल रहा हूं, मैंने आपके खाते में 6 लाख 50 हजार रुपए डलवा दिए हैं, जिसकी रसीद भी भेज दी है। रिश्तेदारी का फायदा उठाया तेलू राम की साली का लड़का विनोद भी सऊदी अरब में रहता है। ठग ने उसी का नाम लिया, जिससे बुजुर्ग को लगा कि सच में उनका भांजा ही मदद मांग रहा है। ठग ने झांसा दिया कि उसे तुरंत पैसों की जरूरत है, इसलिए उन रुपयों में से 2 लाख रुपए दिए गए यूनियन बैंक के खाते में ट्रांसफर कर दें।

# नीदरलैंड्सः 2 लाख ट्यूलिप की प्रदर्शनी, हर व्यक्ति को 10 फूल ले जाने की मंजूरी

**एम्स्टर्डम**| तस्वीर नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम की है जहां नेशनल ट्यूलिप डे के मौके पर 2 लाख से ज्यादा रंग-बिरंगे ट्यूलिप से बना विशाल अस्थायी ट्यूलिप गार्डन तैयार किया गया। यह आयोजन ट्यूलिप प्रमोशन नीदरलैंड्स द्वारा किया जाता है और 2012 से हर साल जनवरी के तीसरे शनिवार-रविवार को आयोजित होता है। कार्यक्रम के पहले दिन शनिवार को गार्डन को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक और पर्यटक पहुंचे।

इस आयोजन की सबसे खास बात यह है कि रविवार प्रदर्शनी खत्म होने बाद लोग इस गार्डन से मुफ्त में ट्यूलिप चुनकर अपने साथ ले जा सकते हैं। आमतौर पर एक विजिटर को अधिकतम 10 ट्यूलिप तक चुनने की अनुमति रहती है। ये ट्यूलिप लोग घर ले जाकर सजावट, गिफ्ट और वसंत के स्वागत के प्रतीक रूप में इस्तेमाल करते हैं।

### 18वां रोजगार मेला- पीएम ने 61 हजार जॉब लेटर बांटे-कहा

# युवाओं को नए अवसर मिलें, ये हमारा प्रयास आज कई स्टार्टअप में महिला डायरेक्टर

**नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)**| पीएम मोदी ने शनिवार को वर्चुअली 18वें रोजगार मेले में युवाओं को 61 हजार जॉब लेटर बांटे। ये नियुक्ति गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों में की गई है। रोजगार मेले का आयोजन देश के 45 जगहों पर किया जा रहा है।

पीएम ने वर्चुअली संबोधन में कहा कि युवाओं को नए अवसर मिलें, ये हमारा प्रयास है। देशभर के स्टार्टअप में महिलाएं आगे हैं। कई स्टार्टअप में तो वे हेड हैं। महिला स्वरोजगार की दर में 15% की बढ़ोतरी हुई है। पिछला रोजगार मेला 24 अक्टूबर 2025 को आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर 2022 को रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। अब तक 11 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल चुका है।

### पीएम की स्पीच, 5 बड़ी बातें; कहा- भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का दायरा बढ़ा

- **रोजगार मेला मिशन मोड परः** सरकारी भर्तियों को भी कैसे मिशन मोड पर किया जाए इसलिए रोजगार मेले की शुरुआत की गई। रोजगार मेला एक इंस्टिट्यूशन बन गया है। भारत की युवा शक्ति के लिए नए अवसर बने ये हमारा प्रयास है। हम कई ट्रेड एग्रीमेंट कर रहे हैं। इससे अनेकों अवसर आने वाले हैं।

- **भारत पर दुनिया को भरोसाः** भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का दायरा बढ़ रहा है। देश में दो लाख रजिस्टर्ड स्टार्टअप में 21 लाख युवा काम कर रहे हैं। भारत की इकोनॉमी तेजी से बढ़ रही है। आज भारत पर जिस तरह दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है इससे अनेकों संभावनाएं पैदा हो रही हैं।
- **ऑटो इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही हैः** 2025 में टू व्हीलर की बिक्री दो करोड़ के पार पहुंच गई। आयकर और जीएसटी कम होने से लाभ हुआ। देश में बड़ी संख्या में रोजगार का अवसर पैदा हो रहा है।
- **स्टार्टअप में महिलाएं भी आगेः** आज 8000 से ज्यादा बेटियों को नियुक्ति पत्र मिले। महिला स्वरोजगार की दर में 15% की बढ़ोतरी हुई है। आज कई स्टार्टअप में महिला डायरेक्टर हैं। गावों के कई रोजगार में महिलाएं हेड कर रही हैं।
- **खुद को हमेशा अपग्रेड करेंः** आपको एक और बात याद रखनी है। तेजी से बदले टेक के इस दौर में देश की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। आपको खुद को लगातार अपग्रेड करना है। आईगॉट ऐप का उपयोग करें। इससे कई लोग खुद को ट्रेन कर रहे हैं।

### अब तक 11 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिला

| रोजगार मेला | कब हुआ | जॉइनिंग लेटर दिए |
|---|---|---|
| पहला | 22 अक्टूबर 2022 | 75 हजार से ज्यादा |
| दूसरा | 22 नवंबर 2022 | 71 हजार से ज्यादा |
| तीसरा | 20 जनवरी 2023 | 71 हजार से ज्यादा |
| चौथा | 13 अप्रैल 2023 | 71 हजार से ज्यादा |
| पांचवां | 16 मई 2023 | 70 हजार से ज्यादा |
| छठा | 13 जून 2023 | 70 हजार से ज्यादा |
| सातवां | 22 जुलाई 2023 | 70 हजार से ज्यादा |
| आठवां | 28 अगस्त 2023 | 51 हजार से ज्यादा |
| नौवां | 26 सितंबर 2023 | 51 हजार से ज्यादा |
| दसवां | 28 अक्टूबर 2023 | 51 हजार से ज्यादा |
| ग्यारहवां | 30 नवंबर 2023 | 51 हजार से ज्यादा |
| बारहवां | 12 फरवरी 2024 | 1 लाख से ज्यादा |
| तेरहवां | 29 अक्टूबर 2024 | 51 हजार से ज्यादा |
| चौदहवां | 23 दिसंबर 2024 | 71 हजार से ज्यादा |
| पंद्रहवां | 26 अप्रैल 2025 | 51 हजार से ज्यादा |
| सोलहवां | 12 जुलाई 2025 | 51 हजार से ज्यादा |
| सत्रहवां | 24 अक्टूबर 2025 | 51 हजार से ज्यादा |

## ट्रेन से कटीं मां और 2 बेटियां : हांसी में 2 की मौत, दूसरी बच्ची हिसार रेफर

**हिसार (राजधानी चौपाल)**| हिसार के हांसी में सिरसा-दिल्ली रेलवे लाइन पर शनिवार को एक महिला और उसकी दो बेटियां ट्रेन की चपेट में आ गईं। इस हादसे में मां और एक बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। बच्ची को हांसी सिविल अस्पताल से हिसार रेफर कर दिया गया है। यह घटना रामायण और मय्यड़ रेलवे स्टेशन के बीच हुई। महिला भगाना गांव की रहने वाली है। सूत्रों के मुताबिक, महिला को शादी के बाद 4 बेटियां हुईं। वह बेटा न होने से परेशान चल रही थी। पुलिस पता लगा रही है कि महिला ट्रेन की चपेट में आई है या उसने जानबूझकर अपनी बच्चियों के साथ ट्रेन के सामने छलांग लगाई है। एक राहगीर ने पुलिस को सूचना दी कि रामायण और मय्यड़ रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक के पास एक महिला और दो लड़कियां बेसुध अवस्था में पड़ी हैं। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि महिला और एक बच्ची की मौत हो चुकी थी, जबकि दूसरी बच्ची गंभीर रूप से घायल थी। पुलिस ने घायल बच्ची को तुरंत हांसी के सामान्य अस्पताल पहुंचाया।

### न्यूज ब्रीफ

## मानेसर निगम के 100% डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के आदेश : संयुक्त आयुक्त ने की बैठक

**फर्रुखनगर (राजधानी चौपाल)**| गुरुग्राम जिले के मानेसर नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से संयुक्त आयुक्त हितेंद्र कुमार ने एक समीक्षा बैठक की। इस दौरान सहायक सफाई निरीक्षकों को शत प्रतिशत डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए। को नगर निगम कार्यालय में हुई बैठक में संयुक्त आयुक्त ने सहायक सफाई निरीक्षकों को अपने-अपने वार्डों में सुबह-शाम सफाई व्यवस्था की सघन निगरानी करने को कहा। उन्होंने खुले में कूड़ा डालने, कूड़ा जलाने और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के खिलाफ नियमित चालान की कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। संयुक्त आयुक्त ने खुले में कूड़ा जलाने की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इससे न केवल पर्यावरण प्रदूषित होता है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ते हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के बावजूद इसके उपयोग को देखते हुए, सहायक निरीक्षकों को निर्देश दिए गए कि इसका उपयोग करने वालों पर चालान कर जुर्माना वसूला जाए। बैठक में सफाई एजेंसियों के प्रतिनिधियों को भी निर्देशित किया गया। संयुक्त आयुक्त ने कहा कि वे तय शर्तों के अनुसार सफाई कर्मचारी और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएं। उन्होंने चेतावनी दी, कि औचक निरीक्षण के दौरान यदि किसी भी प्रकार की कमी पाई गई, तो संबंधित एजेंसी पर पेनल्टी लगाते हुए उचित कार्रवाई की जाएगी।

## हांसी में 105 फुट ऊंचा तिरंगा फहराया, भयाना बोले- जिला बनाने के बाद पहला गणतंत्र दिवस समारोह

**हांसी (राजधानी चौपाल)**| हरियाणा के हांसी में गणतंत्र दिवस से पहले 105 फुट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना की गई। शनिवार को इस अवसर पर शहीद स्मारक से जींद रोड स्थित जेसीआई चौक तक तिरंगा यात्रा भी निकाली गई। तिरंगा यात्रा में स्कूली बच्चों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लिए 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों से पूरा शहर देशभक्ति के रंग में रंग गया। यात्रा का समापन उस स्थान पर हुआ जहां यह ऊंचा तिरंगा स्थापित किया गया है। कार्यक्रम में विधायक विनोद भयाना, एसडीएम राजेश खोथ, भाजपा नेता राजपाल यादव, विनोद सैनी और नवीन ठाकुर सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर विधायक विनोद भयाना ने कहा कि तिरंगा हर भारतीय के दिल में विशेष स्थान रखता है। उन्होंने बताया कि हांसी को जिला बनाए जाने के बाद यह पहला गणतंत्र दिवस है और इतने ऊंचे तिरंगे की स्थापना शहरवासियों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने हांसी को जिला बनाने में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की भूमिका के लिए उनका आभार व्यक्त किया। एसडीएम राजेश खोथ ने कहा कि तिरंगा हमें हमारी आजादी और शहीदों के बलिदान की याद दिलाता है। उन्होंने सभी से उनके सपनों का भारत बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस पूरे आयोजन में देशप्रेम, एकता और गर्व की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

# गुरुग्राम में सीएम बोले : हरियाणा में स्टार्टअप्स को मिली नई उड़ान

**गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)**| गुरुग्राम के मानेसर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बजट-पूर्व परामर्श कार्यक्रम में स्टार्टअप संस्थापकों एवं उद्यमियों के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि युवा इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स हरियाणा की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत 16 जनवरी को 'राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस' मनाया गया था और आज का बजट-पूर्व परामर्श उसी

उत्सव की कड़ी है। स्टार्टअप इंडिया केवल एक सरकारी योजना नहीं है, बल्कि यह एक 'रेनबो विजन' है, जो अलग-अलग सेक्टर्स को नई संभावनाओं से जोड़ता है। स्टार्टअप एक विचार है, जिसे मूर्त रूप देना होता है। यह एक छोटा बीज है, जिसे सही सहयोग मिलने पर विशाल वृक्ष बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप संस्थापकों द्वारा दिए गए सुझावों पर कहा कि 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस', 'फंडिंग' और 'तकनीकी सहयोग' जैसे मुद्दों पर प्राप्त विचारों को नोट किया गया है। आइडिया कितना भी छोटा क्यों न हो, यदि उसमें दम है, तो उसे दुनिया बदलने में समय नहीं लगता।

पिछले 10 वर्षों में देश में स्टार्टअप्स की संख्या 500 से बढ़कर 2 लाख से अधिक हो गई है। इसमें हरियाणा का योगदान अग्रणी रहा है, विशेषकर गुरुग्राम और मानेसर का। हरियाणा में अब 9,500 से अधिक स्टार्टअप्स हैं और राज्य इस मामले में देश में सातवें स्थान पर है। साथ ही, हरियाणा से 19 यूनिकॉर्न भी हैं। मुख्यमंत्री ने बजट 2025-26 में उठाए गए प्रमुख कदमों की जानकारी देते हुए कहा कि भविष्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का है। इसी दृष्टि से हरियाणा सरकार द्वारा 'हरियाणा ए.आई. मिशन' की स्थापना का प्रस्ताव किया गया है, जिसके लिए विश्व बैंक से 474 करोड़ रुपए की सहायता का आश्वासन मिला है। इसके तहत गुरुग्राम और पंचकूला में एक-एक ए.आई. हब स्थापित किए जाएंगे, जहां 50 हजार युवाओं को नई तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाएगा।

### गुरुग्राम में राज्यमंत्री ने किया एटीएमएस सिस्टम का निरीक्षण

# द्वारका-एक्सप्रेसवे कमांड सेंटर की व्यवस्थाएं जांची; ट्रैफिक मैनेजमेंट की समीक्षा की

**गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)**| सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्यमंत्री अजय टम्टा ने द्वारका एक्सप्रेसवे और दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे (एनएच-48) पर स्थापित एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण किया। साथ ही इन दोनों हाईवे पर लगाए गए मॉडर्न ट्रैफिक प्रबंधन सिस्टम की समीक्षा की। इस दौरान राज्यमंत्री टम्टा ने सेंटर के विभिन्न सैगमेंट की विस्तृत जांच की। उन्होंने ट्रैफिक कैमरा मॉनिटरिंग सिस्टम, वीडियो इंसिडेंट डिटेक्शन एंड एनफोर्समेंट सिस्टम (वीआईडीईएस) तथा ट्रैफिक नियम उल्लंघनों पर स्वचालित ई-चालान जारी करने की प्रक्रिया का जायजा लिया।

ये सभी सुविधाएं एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का हिस्सा हैं, जो हाईवे पर रियल टाइम ट्रैफिक की निगरानी, घटनाओं का तुरंत पता लगाने और उचित कार्रवाई सुनिश्चित करती हैं।

अजय टम्टा ने निरीक्षण के बाद कहा कि यह मॉडर्न प्रणाली राजमार्गों

पर ट्रैफिक प्रबंधन को अधिक प्रभावी, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एटीएमएस के माध्यम से कैमरों और सेंसरों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण कर ट्रैफिक जाम, दुर्घटना या अन्य असामान्य स्थितियों का तुरंत पता लगाया जा सकता है, जिससे प्रतिक्रिया समय काफी कम हो जाता है।

यह प्रणाली विशेष रूप से व्यस्त दिल्ली-गुरुग्राम कॉरिडोर और द्वारका एक्सप्रेसवे जैसे हाई-स्पीड मार्गों पर उपयोगी साबित हो रही है, जहां रोजाना लाखों वाहनों का आना जाना होगा है। राज्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए और कहा कि राजमार्गों पर खराब होकर रुक गए वाहन या ब्रेकडाउन वाहन दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनते हैं। ऐसे वाहनों की शीघ्र पहचान और उन्हें तुरंत हटाने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

एटीएमएस के इंसिडेंट डिटेक्शन फीचर से इन वाहनों का पता लगना आसान हो जाता है, लेकिन फील्ड टीमों की त्वरित कार्रवाई से ही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। उन्होंने क्रेन सेवाओं, हाईवे पेट्रोल और इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों के बेहतर कोआर्डिनेशन पर जोर दिया।

### द्वारका एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट

द्वारका एक्सप्रेसवे दिल्ली के शिव मूर्ति, महिपालपुर से प्रारंभ होकर गुरुग्राम के खेड़की दौला टोल प्लाजा तक लगभग 29 किलोमीटर लंबा 16-लेन नियंत्रित एक्सप्रेसवे के रूप में विकसित किया गया है। इस परियोजना से दिल्ली और गुरुग्राम के बीच आवाजाही को अधिक सुगम, सुरक्षित और तेज़ बना दिया है।

इससे दिल्ली–गुरुग्राम एक्सप्रेसवे पर यातायात दबाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका सामने आएगी। राज्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान एलिवेटेड सेक्शन, सर्विस रोड, अंडरपास सहित अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर की समीक्षा की। यह निरीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब भारत में सड़क सुरक्षा और स्मार्ट ट्रांसपोर्ट सिस्टम को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

राजधानी चौपाल
समाचार पत्र में किसी भी प्रकार के समाचार, विज्ञप्ति और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें...
94169-26329

# प्रदेश में कुलदीप बिश्नोई करेंगे बड़ी रैली : राज्यसभा चुनाव से पहले सियासी माहौल बनाएंगे

**हिसार (राजधानी चौपाल)** | हरियाणा भाजपा के नेता कुलदीप बिश्नोई आने वाले दिनों में प्रदेश में एक बड़ी रैली कर राजनीतिक माहौल को गरमा सकते हैं। हालांकि यह रैली कहां और कब होगी अभी इसका खुलासा नहीं हुआ, मगर राज्यसभा के चुनाव से पहले भजनलाल परिवार यह रैली कर सकता है। इस रैली के लिए अभी से बिश्नोई परिवार ने तैयारी शुरू कर दी है।

रैली की तैयारियों को लेकर 26 जनवरी के बाद कुलदीप बिश्नोई फिर से हरियाणा के अलग-अलग जिलों में वर्करों से मिलेंगे और रायशुमारी करेंगे। कुलदीप बिश्नोई की नजर हरियाणा में अप्रैल में खाली हो रही राज्यसभा की सीट पर है।

अप्रैल में राज्यसभा की 2 सीटें खाली हो रही हैं। यह सीटें किरण चौधरी और रामचंद्र जांगड़ा की हैं। 9 अप्रैल को दोनों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। ऐसे में कुलदीप के पास यह अंतिम मौका है। इसके बाद अगस्त 2028 तक प्रदेश में ना तो चुनाव है और ना ही राज्यसभा की कोई सीट खाली होगी। बताया जा रहा है कि इस रैली के जरिए कुलदीप बिश्नोई भाजपा नेतृत्व को ताकत दिखा सकते हैं।

**आदमपुर में भी रैली करेगा बिश्नोई परिवार :** वहीं इस प्रदेश स्तरीय रैली से पहले बिश्नोई परिवार आदमपुर में मुख्यमंत्री के साथ रैली करने की योजना बना रहा है। इसके लिए बिश्नोई परिवार मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात कर सकता है। मुख्यमंत्री पिछले साल नलवा और हांसी में रैली कर चुके हैं।

ऐसे में बिश्नोई परिवार चाहता है कि मुख्यमंत्री आदमपुर में रैली करें। बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में बिश्नोई परिवार ने भाजपा संग मिलकर एक भी रैली नहीं की थी। चुनाव में बिश्नोई परिवार को इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ा था। पहली बार आदमपुर में बिश्नोई परिवार की हार हुई थी। अब ऐसे में बिश्नोई परिवार भाजपा नेतृत्व व संगठन के साथ चलना चाहता है।

**अप्रैल में राज्यसभा की 2 सीटें खाली हो रही :** बता दें कि अप्रैल में हरियाणा में राज्यसभा की 2 सीटों पर चुनाव होगा। एक सीट पर भाजपा की जीत तय और एक पर कांग्रेस का पलड़ा भारी है। कुलदीप बिश्नोई की नजर इसी राज्यसभा सीट पर है। अगर इस बार कुलदीप को मौका नहीं मिला तो उनको ढाई साल और लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

अभी राज्यसभा की सभी पांच सीटों पर भाजपा का कब्जा है। अकेले कार्तिकेय शर्मा निर्दलीय राज्यसभा सदस्य हैं, लेकिन वह भाजपा के सहयोग से ही चुनाव जीते हैं। बाकी चार सदस्य रामचंद्र जांगड़ा, सुभाष बराला, किरण चौधरी और रेखा शर्मा का कार्यकाल साल 2028 और 2030 में खत्म हो रहा है।

**गैर जाट चेहरे के रूप में पेश कर रहे दावेदारी :** कुलदीप बिश्नोई भाजपा में गैर जाट चेहरे के रूप में अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। उनके पिता पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल की प्रदेश में गैर जाट सीएम के रूप में पहचान थी। गैर जाट वोटर ही भाजपा की प्रदेश में ताकत माने जाते हैं। ऐसे में कुलदीप इस वोट बैंक को जोड़े रखने में सहायक बनना चाहते हैं।

हरियाणा के 3 बार मुख्यमंत्री रहे भजनलाल के समय प्रदेश का संपूर्ण नॉन जाट वोटर उनके साथ था, जो बाद में कुलदीप बिश्नोई की पार्टी हरियाणा जनहित कांग्रेस (हजकां) के साथ लामबंद रहा। 2011 से 2014 तक हजकां और भाजपा के गठबंधन के बाद ये वोटर 2014 विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ गए।

## इसलिए राज्यसभा जाना चाहते हैं कुलदीप बिश्नोई...

- **हरियाणा में 18 साल से पद से दूर बिश्नोई परिवार :** हरियाणा में बिश्नोई परिवार 18 साल से सत्ता सुख व पद से बाहर है। 2005 से 2008 तक भजनलाल के बड़े बेटे चंद्रमोहन बिश्नोई हरियाणा के डिप्टी CM पद पर रहे। इसके बाद निजी कारणों से उन्होंने त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद आज तक बिश्नोई परिवार को सरकार में कोई पद नहीं मिला है। कुलदीप बिश्नोई को उम्मीद थी कि उनके बेटे भव्य बिश्नोई को आदमपुर उपचुनाव में जीत के बाद मंत्री बनाया जा सकता है, मगर ऐसा नहीं हुआ।
- **आदमपुर में 57 साल बाद मिली हार :** हरियाणा विधानसभा चुनाव में आदमपुर सीट पर हार के बाद भजनलाल परिवार का 57 साल पुराना किला ढह गया है। इस चुनाव में भव्य बिश्नोई 1268 वोटों से हार गए। इस हार के बाद कुलदीप बिश्नोई काफी दुखी हैं। वह आदमपुर में लोगों के बीच भावुक हो गए थे।
- **मुकाम में संरक्षक पद छीना, बिश्नोई रत्न वापस लिया :** आदमपुर में चुनाव हारने के बाद कुलदीप बिश्नोई को बड़ी चुनौती अपनों से ही मिली। अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के प्रधान के इस्तीफे को लेकर समाज का एक वर्ग उनके खिलाफ हो गया। महासभा के प्रधान ने मुकाम में बैठक कर कुलदीप बिश्नोई को महासभा के संरक्षक पद से हटा दिया और बिश्नोई रत्न वापस ले लिया। हालांकि, इस प्रकरण के बाद से ही कुलदीप बिश्नोई ने चुप्पी साधी हुई है।

## राहुल गांधी ने जिलाध्यक्षों को दिखाए चार मॉडल

# बोले- हरियाणा की राजनीति का सिस्टम मुझे पता, नेताओं की हाजरी मत मारो

**सिरसा (राजधानी चौपाल)** | हरियाणा दौरे पर आए कांग्रेस नेता एवं नेता प्रतिपक्ष लोकसभा राहुल गांधी पार्टी जिलाध्यक्षों को कई गुर सिखा गए। राहुल गांधी ने जिलाध्यक्षों से साफ लहजे में कहा- मुझे हरियाणा की राजनीति का सिस्टम पता है। उससे ऊपर होकर काम करना है, धरातल पर जाकर काम करना है। आपको किसी नेता की हाजिरी नहीं मारनी है। आप जो हो, वहीं काम करो। आपका काम ही संगठन को मजबूती देगा।

इस दौरान राहुल गांधी ने चार मॉडल प्रस्तुत किए। जिनमें उदाहरण पेश करते हुए दिखाया कि ये एक कुर्सी पर प्रधानमंत्री बैठा है। जिसके सामने एक व्यक्ति हाथ जोड़कर जाता दिखाया, दूसरा लंबे लेटकर जाता, तीसरा घुटनों के बल जाता और चौथा बड़े नेताओं के आगे गर्दन झुकाकर आते हुए पेश किया। जिन पर जिलाध्यक्षों से पूछा-आप इनमें से आज की कांग्रेस कौन सी मानते हो। कुछ जिलाध्यक्षों ने उनमें से विकल्प चुनें, तो किसी ने कुछ नहीं कहा।

सिरसा से कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष बैनीवाल ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए प्वाइंट टू प्वाइंट चर्चा हुई और धरातल पर काम करने को कहा गया है, जो जिलाध्यक्ष जितनी ज्यादा मेहनत करेगा, उसको उसकी मेहनत का फल अवश्य मिलेगा। जिलाध्यक्ष ही जिला कमेटी के लिए लिस्ट तैयार कर प्रदेश अध्यक्ष को भेजेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि, जिलों की कमेटियां बन रही है तो बूथ लेवल पर जाकर ब्लॉक कमेटी या जिला कमेटी जिलाध्यक्ष की तरफ से ही बनेगी। जिलाध्यक्ष ही लिस्ट बनाकर प्रदेश अध्यक्ष को भेजेंगे, जिसके बाद लिस्ट फाइनल होगी। उन्होंने कहा कि, संगठन को मजबूत करना है। इससे नेता और पार्टी पदाधिकारियों में खींचतान या गुटबाजी है, वो दूर होने की संभावना है। कुछ नेता भी पदाधिकारियों को तवज्जो नहीं देते, वे ऐसा नहीं कर सकेंगे।

राहुल गांधी ने ये भी कहा कि, किसी नेता की हाजिरी मत मारो, किसी नेता के पास जाने की जरूरत नहीं है। कोई आपके पास आकर कहता हो कि टिकट दिला दूंगा और फिर कोई नेता आपकी सिफारिश लेकर मेरे पास आएगा तो वह मैं बिल्कुल स्वीकार नहीं करूंगा। आप संगठन को मजबूत धरातल पर काम करे और उसी काम की बदौलत आपको समय आने पर मौका दिया जाएगा। राहुल गांधी ट्रेनिंग में जिलाध्यक्षों से बोले, मैं भविष्य में आप लोगों में से ही विधायक या प्रदेश अध्यक्ष देखना चाहता हूं। धरातल पर जितनी नींव मजबूत होगी, उतने ही लोग पार्टी से जुड़ेंगे।

पहले राहुल गांधी का जिलाध्यक्षों के साथ खाना रखा गया था। बाद में तय हुआ कि विधायकों के साथ खाना होगा। उस दौरान दो विधायक थे। इस पर हिसार ग्रामीण व सिरसा जिलाध्यक्ष ने राहुल गांधी के समक्ष ये विषय रखा। इस पर वह उनके बजाय जिलाध्यक्षों के साथ खुद थाली लेकर खाने के लिए बैठे। 'संगठन सृजन अभियान' के तहत कुरुक्षेत्र में यह ट्रेनिंग कैंप लगाया गया, जिसमें हरियाणा के 32 जिलाध्यक्ष और उत्तराखंड के 28 जिलाध्यक्ष मौजूद रहे। इनके अलावा नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद, कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद कुमारी सैलजा, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

## मैं आज की कांग्रेस, उसको देखता हूं

राहुल गांधी ने साफ कहा कि ये कांग्रेस नहीं है, मैं आज की कांग्रेस, उसको देखता हूं, जो सर्कल में बाजू में बाजू डालकर या हाथ पकड़कर एकजुटता दिखती हो। झुकना नहीं है, मजबूती चाहिए। कुछ जिलाध्यक्षों ने नेताओं को लेकर सवाल-जवाब किए और कुछ नेताओं द्वारा खींचतान पर चर्चा हुई। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद वीरवार शाम को सभी जिलाध्यक्ष अपने गंतव्य वापस रवाना हुए।

# दिल्ली की सांसद से मिले यूआरएफ गुरुग्राम के पदाधिकारी : द्वारका एक्सप्रेस-वे पर बसें चलाने की मांग, यू-टर्न सुधारने पर भी चर्चा

**गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)** | गुरुग्राम की यूनिवर्सल रेजिडेंट्स फेडरेशन (यूआरएफ) की एक टीम ने पश्चिमी दिल्ली की लोकसभा सांसद कमलजीत सहरावत से मुलाकात की। इस दौरान द्वारका एक्सप्रेस-वे पर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था शुरू करने और गलत दिशा में बने यू-टर्न को सुधारने की मांग की गई।

फेडरेशन पदाधिकारियों ने बताया कि द्वारका से मानेसर, गुरुग्राम तक द्वारका एक्सप्रेस-वे के आसपास लाखों लोग रहते हैं, लेकिन इस एक्सप्रेस-वे पर सार्वजनिक परिवहन की कोई व्यवस्था नहीं है। लोगों को निजी वाहनों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे ईंधन की खपत बढ़ती है और वायु और ध्वनि प्रदूषण भी फैलता है।

यूआरएफ पदाधिकारियों ने पिलर नंबर 30 के पास गलत दिशा में बने सिंगल यू-टर्न का मुद्दा भी उठाया। फेडरेशन के अनुसार, इस यू-टर्न के कारण सैकड़ों दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। फेडरेशन के ईमान कदियान ने बताया कि इस समस्या को लेकर नेशनल हाईवे अथॉरिटी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आकाश पहाड़ी को कई बार शिकायतें दी जा चुकी हैं।

**डीटीसी की बसों का संचालन करने की मांग :** फेडरेशन के संस्थापक राकेश राणा बजघेड़ा ने सांसद सहरावत से जनहित में इस सिंगल यू-टर्न के पास एक और यू-टर्न बनवाने और द्वारका मेट्रो स्टेशन सेक्टर 21 से मानेसर तक द्वारका एक्सप्रेस-वे पर डीटीसी बसें संचालित करवाने का आग्रह किया। सांसद कमलजीत सहरावत ने दोनों समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर नागरिक सेवा समिति के संस्थापक देशराज चौधरी, आरडब्ल्यूए उप प्रधान धर्मेंद्र, मंडल उपाध्यक्ष मणिराम अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, आरडब्ल्यूए सचिव के पी तिवारी, बजघेड़ा आरडब्ल्यूए उपाध्यक्ष जयदीप राणा, मंदिर समिति के उपप्रधान प्रवीन राणा, महेंद्र जांगिड, संजय वशिष्ठ और रविंद्र राणा सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

# भाजपा ने मंत्रियों को सौंपा निकाय चुनावों का जिम्मा

### एक मंत्री के साथ पदाधिकारी की भी लगाई ड्यूटी

**चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)** | भाजपा ने आगामी समय में होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने मंत्रियों को चुनाव प्रभारी बनाया है। वहीं पदाधिकारियों को भी जिम्मा सौंपा गया है। पंचकूला नगर निगम में मंत्री विपुल गोयल और पूर्व मंत्री कंवर पाल गुर्जर को जिम्मेदारी दी गई है। अम्बाला में मंत्री रणबीर गंगवा, प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता, सोनीपत में मंत्री कृष्ण पंवार व जवाहर सैनी को दायित्व सौंपा है। रेवाड़ी नगर परिषद में मंत्री गौरव गौतम व प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, उकलाना नगर पालिका चुनाव में मंत्री कृष्ण बेदी, प्रदेश सचिव सुरेंद्र आर्य, सांपला नगर पालिका में डॉ. अरविंद शर्मा और राम अवतार वाल्मीकि, धारूहेड़ा में मंत्री राजेश नागर व कमल यादव को जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली का कहना है कि जल्द ही पार्टी के प्रत्याशियों के नामों पर भी मंथन होगा।

स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर 26 जनवरी के बाद किसी भी समय ऐलान हो सकता है। सूत्रों का कहना है कि राज्य चुनाव आयोग इसकी तैयारी में जुटा है। संभावना है कि मार्च में चुनाव कराए जा सकते हैं।

# फतेहाबाद में अब दुड़ाराम समर्थक बनेगी चेयरपर्सन : सवा साल बाद फिर भाजपा के हिस्से आएगा पद

**फतेहाबाद (राजधानी चौपाल)** | फतेहाबाद जिले की भट्टू पंचायत समिति में अब एक बार फिर पूर्व विधायक दुड़ाराम अपनी समर्थक सदस्य को चेयरपर्सन बनाने में सफल हो सकेंगे। कांग्रेस समर्थक ज्योति लूना के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव सिरे चढ़ चुका है। ऐसे में अब फिर से सवा साल बाद बीजेपी के हिस्से में यह पद आएगा। बता दें कि, पूर्व विधायक दुड़ाराम के खेमे में 21 में से 18 सदस्य हैं। चेयरपर्सन का पद अनुसूचित जाति की महिला के लिए आरक्षित है। ज्योति लूना के बाद इस वर्ग की एकमात्र महिला सदस्य अनु सरबटा हैं। ऐसे में चेयरपर्सन की कुर्सी अनु को मिलना तय है। खुद दुड़ाराम भी अनु का नाम घोषित कर चुके हैं।

**पहले ढाई-ढाई साल की हुई थी बात :** पूर्व विधायक दुड़ाराम का दावा है कि साल 2022 में जब ज्योति लूना को चेयरपर्सन बनाया गया था, उस समय यह तय हुआ था कि ज्योति और अनु ढाई-ढाई साल के लिए चेयरपर्सन बनेगी। मगर ज्योति बाद में पद छोड़ने से मुकर गई। साथ ही बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में चली गई, इसलिए सभी सदस्यों ने आपसी सहमति से ही ज्योति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर उन्हें पद से हटाया। ऐसे में अनु का शेष बचे कार्यकाल के लिए चेयरपर्सन बनना हक बनता है।

**नोटिफिकेशन आने के बाद दोबारा होंगे चुनाव :** अधिकारियों के अनुसार, अब भट्टू पंचायत समिति का चेयरपर्सन पद खाली होने के बाद नए सिरे से चुनाव करवाने से संबंधित नोटिफिकेशन आएगा, उसके बाद चुनाव के लिए फिर से मीटिंग बुलाई जाएगी। उस मीटिंग में ही अनु को आधिकारिक तौर पर चेयरपर्सन घोषित किया जाएगा।

## यह है पूरा मामला

दरअसल, ज्योति लूना को दिसंबर 2022 में भट्टू पंचायत समिति का चेयरपर्सन बनाया गया था। उनके साथ वार्ड नंबर-4 के सदस्य बंसी लाल भीगासरा को वाइस चेयरमैन बनाया गया। मगर साल 2024 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान ज्योति लूना का परिवार बीजेपी प्रत्याशी दुड़ाराम का साथ छोड़कर कांग्रेस प्रत्याशी बलवान दौलतपुरिया के समर्थन में चला गया। इससे नाराज दुड़ाराम खेमे ने ज्योति लूना को कुर्सी से हटाने की कोशिशें शुरू कर दी। 31 दिसंबर 2024 को एक बार ज्योति कुर्सी बचा गई थी। मगर इस बार 18 सदस्य खिलाफ होने से कुर्सी नहीं बचा सकी।

# हरियाणा में दूसरे राज्यों के युवा ज्यादा हो रहे भर्ती : भूपेंद्र हुड्डा

**चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)** | हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन (एचपीएससी) की ओर से जहां ग्रुप-ए और बी की भर्तियों में तेजी दिखाई जा रही है, वहीं कुछ युवा भर्तियों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहें हैं। इस बीच अब नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हरियाणा में भर्तियों में सीटें खाली रहने और बाहरी लोगों की ज्यादा भर्ती होने का मामला उठाया है।

दो दिन पहले ही दो भर्तियों में एक भी योग्य अभ्यर्थी न पाए जाने को लेकर कमीशन ने परिणाम भी जारी किया था। ऐसे में अब भर्तियों का मामला एक बार फिर तूल पकड़ रहा है। फरवरी में बजट सत्र शुरू होना है। कांग्रेस विधायक दल भी भर्तियों को लेकर पूरा मामला विधानसभा सदन में उठाने की तैयारी कर रहा है।

भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि स्थानीय युवाओं को वरियता देने के लिए कई राज्यों में स्थानीय भाषा का पेपर अनिवार्य किया हुआ है। राजस्थान में हिंदी भाषा है, लेकिन वहां भर्ती परीक्षाओं में 30-40 प्रश्न राजस्थान से जुड़े सामान्य ज्ञान के होते हैं।

कांग्रेस सरकार के दौरान वहां के शिक्षा मंत्री ने बताया था कि 2012 से 2022 तक वहां दूसरे राज्यों के सिर्फ एक प्रतिशत लोग भर्ती हुए हैं। पंजाब में भी पंजाबी भाषा के अलावा यह भी तय किया हुआ है कि वहां 20 फीसदी प्रश्न पंजाब सामान्य ज्ञान के पूछे जाते हैं।

# अहीरवाल में राव का एकछत्र राज निपटाने की तैयारी:नरबीर-अभय विरोध में उतरे

**गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)** | अहीरवाल क्षेत्र की सियासत में एकछत्र राज कर रहे राव इंद्रजीत पर पहली बार सीधे जुबानी हमले हो रहे हैं और वो भी नाम लेकर। नायब सरकार में कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह और पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव खुलकर केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत और प्रदेश में कैबिनेट मंत्री उनकी बेटी आरती राव को सीधे निशाने पर ले रहे हैं। राव इंद्रजीत के लिए छोटे दिल वाला और अहीर समाज के ठेकेदार जैसे शब्द इस्तेमाल हो रहे हैं।

रविवार को राव नरबीर सिंह ने तो यहां तक कह दिया- राव इंद्रजीत पर उम्र का तकाजा है। वे पुरानी बातें भूल गए हैं। मेरा तो राजनीतिक जीवन ही राव इंद्रजीत को हरा कर शुरू हुआ है। 26 साल की उम्र में मैंने जाटूसाना जाकर राव इंद्रजीत को उनके गढ़ में हराया था। असल में अहीर वोटरों के प्रभाव वाली 11 विधानसभा सीटों वाले अहीरवाल क्षेत्र में भाजपा नेताओं में मचे घमासान पर पार्टी की चुप्पी हैरान कर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस खुली बयानबाजी को पार्टी हाईकमान की मौन स्वीकृति हो सकती है। राव नरबीर और डॉ. अभय सिंह को खुली छूट मिली है, तभी तो सार्वजनिक मंचों पर इस तरह की बयानबाजी के बावजूद किसी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं हुई।

हालांकि, सोमवार को दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा- पार्टी इसका संज्ञान लेगी। जैसे ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया पूरी होगी, इन नेताओं को बुलाया जाएगा और उनसे बातचीत की जाएगी।

## पिछले कुछ दिनों में अहीर नेताओं की इस तरह हुई बयानबाजी...

### मंत्री राव नरबीर 3 बड़े बयान...

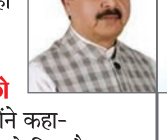

1. **मेरी मदद के बिना इंद्रजीत न जीत पाते:** 29 दिसंबर को गुरुग्राम के एक शो में राव नरबीर ने कहा- मैं खिलाफत करता तो राव इंद्रजीत इस बार गुरुग्राम लोकसभा सीट से चुनाव नहीं जीत पाते, लेकिन उन्होंने मेरी कभी मदद नहीं की। मुझे उनकी मदद की जरूरत भी नहीं है। मैं अपने दम पर और जनता के वोट पर चुनाव जीतता हूं।
2. **राव को जो सम्मान मिला, देश में किसी को नहीं मिला:** 16 जनवरी को रेवाड़ी में उन्होंने कहा- भाजपा ने जो सम्मान राव इंद्रजीत सिंह के परिवार को दिया है, वैसा शायद देश में कहीं किसी और को नहीं मिला होगा। पिता केंद्र में तो बेटी प्रदेश में मंत्री हैं। अब उनकी क्या इच्छा पूरी नहीं हुई, ये मैं नहीं जानता। 5 विधायकों से कोई सीएम नहीं बनता।
3. **मेरे हाथों मिली हार को राव उम्र के तकाजे के कारण भूल गए:** 18 जनवरी को गुरुग्राम में कहा- जब मैं 26 साल का था, तब मैं जाटूसाना से चुनाव लड़ा। जाटूसाना राव इंद्रजीत का आज भी गढ़ है। मैंने वहीं जाकर राव इंद्रजीत को हराया।

### अभय यादव के 2 बयान...

1. **राव इंद्रजीत के प्रभाव को चुनौती दी:** पूर्व मंत्री अभय सिंह ने राव इंद्रजीत को "छोटे दिल वाला" और "अहीर समाज के ठेकेदार" बताकर हमला किया। बोले- मैं चाहता हूं कि अहीरवाल में राव इंद्रजीत का "राजघराना" प्रभाव कम हो।
2. **कुछ लोग सीएम बनने के सपने देखते हैं:** 4 जनवरी को नांगल चौधरी से भाजपा के पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने राव इंद्रजीत सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि जिनकी कभी किसी मुख्यमंत्री के साथ नहीं बनी, वे अपने क्षेत्र में विकास कहां से कराएंगे।

## ये जुबानी जंग अहीरवाल का बड़ा नेता बनने की होड़

हरियाणा की राजनीति पर द पॉलिटिक्स ऑफ चौधर शीर्षक से किताब लिख चुके वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सतीश त्यागी का कहना है कि इसमें कोई शक नहीं कि अहीरवाल की राजनीति में रामपुरा हाउस (राव इंद्रजीत का पैतृक आवास) का बड़ा प्रभाव रहा है। तीन पीढ़ियों से उनकी प्रतिद्वंद्विता राव नरबीर के परिवार से रही है। राव नरबीर पहले भी नाम लेकर राव इंद्रजीत पर निशाना साधते रहे हैं। इस बार खुलकर बोल रहे हैं, नाम ले रहे हैं। अब राव इंद्रजीत भी खुलकर बोल रहे हैं, तो कंट्रोवर्सी बढ़ गई है। यह जुबानी जंग केवल अहीरवाल का बड़ा नेता बनने की होड़ के चलते हो रही है। डॉ. अभय सिंह अपने वजूद के लिए लड़ रहे हैं। उन्हें केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल का खासमखास माना जाता है।

## राव के कंट्रोवर्सी में रहने की 3 बड़ी वजह...

1. **पार्टी से ऊपर उठने की कोशिश:** राव इंद्रजीत सिंह बार-बार पार्टी लाइन से हटकर बयान देते हैं, जैसे दक्षिण हरियाणा को "उचित इनाम" न मिलने की शिकायत, मुख्यमंत्री न बन पाने की टीस, या पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर और वर्तमान सीएम पर अप्रत्यक्ष बयानबाजी। वे अक्सर कहते हैं कि हमने सरकार बनाई।
2. **आंतरिक कलह और गुटबाजी बढ़ाना:** अहीरवाल बेल्ट में राव इंद्रजीत का मजबूत प्रभाव है। पहले कांग्रेस और अब भाजपा को जिताने में उनका प्रभाव रहा है। 2024 विधानसभा चुनाव में 11 में से 10 सीटें जीतीं। वे अपने गुट को मजबूत करने के लिए इंडिपेंडेंट प्रत्याशियों को आगे बढ़ाते हैं, जैसे मानेसर मेयर चुनाव में उनके समर्थित उम्मीदवार जीतीं, जबकि भाजपा के आधिकारिक प्रत्याशी हारे। पार्टी अब राव नरबीर को आगे बढ़ाकर उनके प्रभाव को बैलेंस करना चाहती है, ताकि कोई एक व्यक्ति क्षेत्र पर हावी न रहे।
3. **सीएम पद की महत्वाकांक्षा:** राव इंद्रजीत 75 साल के हो चुके हैं। इसके बावजूद वे मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जाहिर करते रहते हैं, जो पार्टी के फैसले नायब सैनी को सीएम बनाने के खिलाफ जाता है। 2024 चुनाव में अहीरवाल ने भाजपा को मजबूती दी, लेकिन वे इसका क्रेडिट खुद लेते हैं, जिससे पार्टी की साख को नुकसान पहुंचता है। कुछ नेता मानते हैं कि राव इंद्रजीत पार्टी की केंद्रीय छवि और एकता के लिए चुनौती बन गए हैं।

# संपादकीय...

## "भगत सिंह: आज़ादी का साहस, आज के भारत की आवाज"

भारत की आज़ादी का इतिहास जब-जब पलटा जाता है, एक नाम बिजली की तरह चमक उठता है—शहीद-ए-आज़म भगत सिंह। 26 जनवरी हमारे संविधान, हमारी स्वतंत्र पहचान और हमारे लोकतांत्रिक अस्तित्व का पर्व है, लेकिन इस दिन की आत्मा तब और भी तेज़ उजाला देती है जब हम उस नौजवान की आंखों में झांकते हैं जिसने फांसी के तख्ते को भी हंसते-हंसते गले लगा लिया।

भगत सिंह केवल एक क्रांतिकारी नहीं थे; वे विचार थे, वे चेतना थे, वे विद्रोह की वह लौ थे जो अन्याय से समझौता करना नहीं जानती थी। आज़ादी का सपना उन्होंने बंदूक से नहीं, बल्कि अपने भीतर जलती हुई उस आग से देखा था जिसे हम आज भी महसूस करते हैं—सड़कों पर, संसद में, खेतों में, विश्वविद्यालयों में, हर उस जगह जहां भारत का युवा खड़ा होकर कहता है:

"अन्याय नहीं चलेगा, सच के लिए लड़ना ही पड़ेगा।"

आज के दौर में जब देश तेज़ी से बदल रहा है, जब अवसर भी हैं और चुनौतियाँ भी—भगत सिंह का जीवन हमें एक बड़ा सबक देता है:

"देश प्रेम केवल भाव नहीं, जिम्मेदारी है।"

वे लिखते थे, सोचते थे, बहस करते थे। वे जानते थे कि क्रांति सिर्फ हथियारों से नहीं होती—क्रांति होती है विचारों से, इरादों से और समाज को जगाने की हिम्मत से।

आज 26 जनवरी पर हमें खुद से एक प्रश्न पूछना चाहिए—

क्या हम उतने ज़िम्मेदार नागरिक बन पाए जितना भगत सिंह हमसे उम्मीद करते?

आज हमारा देश उन युवाओं को पुकार रहा है जो सोच में भी देशभक्त हों और कर्म में भी।

हमारा हरियाणा, जिसमें मिट्टी का हर कण वीरता की कहानी कहता है, भगत सिंह की राह को सबसे अच्छे से समझता है। यहां के गांव-ढाणों में आज भी जब कोई बच्चा किताब खोलता है या कोई जवान कारगिल की ओर बढ़ता है, तो मन में सबसे पहले वही छवि आती है—

लाली और हंसती हुई वह आंखें, जिनके सामने फांसी भी झुक गई थी।

भगत सिंह ने सिर्फ ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती नहीं दी, उन्होंने हर उस सोच को चुनौती दी जो इंसान को डर में जीने को मजबूर करती है। वे कहते थे:

"निर्भीकता ही असली स्वतंत्रता है।"

आज 26 जनवरी के इस खास अवसर पर राजधानी चौपाल अपने सभी पाठकों से एक वादा करवाना चाहता है—

कि हम सिर्फ झंडा नहीं फहराएंगे,
हम सिर्फ परेड नहीं देखेंगे,
हम सिर्फ देशभक्ति के गीत नहीं सुनेंगे—
हम अपने भीतर वह जिम्मेदारी उठाएंगे जो भगत सिंह हमसे सौ साल पहले छोड़ गए थे।

देश तब महान होता है, जब नागरिक महान बनते हैं।

नागरिक तब महान बनते हैं, जब उनके भीतर साहस और सच्चाई की लौ जलती है।

और यह लौ हमें भगत सिंह जैसे नौजवानों ने दी है।

**अंत में...**

26 जनवरी सिर्फ उत्सव नहीं—संकल्प है।

और इस संकल्प का सबसे पहला अक्षर है—"मैं भारत हूं और मैं अन्याय के खिलाफ खड़ा रहूंगा।"

**भगत सिंह आज भी ज़िंदा हैं,**
**हर उस दिल में जो देश के लिए धड़कता है,**
**हर उस युवा में जो सपने देखता है,**
**और हर उस नागरिक में जो सच बोलने का साहस रखता है।**

**-जय हिंद।**

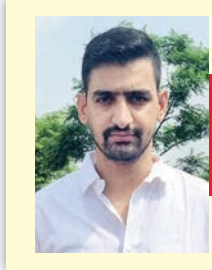

राहुल हिंदुस्तानी
संपादक
राजधानी चौपाल

## 26 जनवरी विशेष संपादकीय...

# "हरियाणा का गणतंत्र: मिट्टी की महक, शौर्य की चमक"

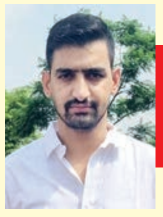

राहुल हिंदुस्तानी
संपादक
राजधानी चौपाल

भारत का गणतंत्र सिर्फ संविधान की किताबों में नहीं बसता—यह बसता है उन मिट्टियों में, जिनकी गंध में त्याग, वीरता और देशभक्ति घुली हो।

और यदि देश की ऐसी किसी मिट्टी का नाम लिया जाए जिसने गणतंत्र की नींव को सबसे मजबूत किया, तो वह है—हरियाणा।

26 जनवरी भारत की आत्मा का पर्व है। यह वह दिन है जब हम अपने शहीदों, सैनिकों, किसानों, खिलाड़ियों, सुधी नागरिकों और उन अनगिनत अनाम नायकों को याद करते हैं जिन्होंने भारत को न सिर्फ आज़ादी दिलाई, बल्कि उसे एक सशक्त गणराज्य भी बनाया।

हरियाणा के हिस्से में इस यात्रा में जो भूमिका आई, वह सिर्फ गौरव नहीं—यह देश की रीढ़ है।

### हरियाणा: आज़ादी से गणतंत्र तक की धड़कन

हरियाणा की धरती ने आज़ादी की लड़ाई में जितना बलिदान दिया, उतना शायद ही किसी और क्षेत्र ने।

रोहतक, झज्जर, हिसार, भिवानी, गुरुग्राम—हर जिले से क्रांतिकारी निकले जिन्होंने अंग्रेज़ों की नींद उड़ा दी।

1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम की चिंगारी भी हरियाणा के गांवों में भड़क उठी थी।

राव तुलाराम, मदनलाल धींगरा, पंडित नेकिराम शर्मा, केदारनाथ सहगल, लाला हुक्मचंद, लाला लाजपतराय जैसे अनेक क़दमों की आहट ने इतिहास की दिशा बदल दी।

यह वह धरती थी जहां स्वतंत्रता सिर्फ सपना नहीं, अनिवार्यता थी।

लेकिन गणतंत्र सिर्फ आज़ादी की लड़ाई से नहीं बनता—गणतंत्र बनता है कर्तव्य से, सामर्थ्य से और राष्ट्र-निर्माण से। और हरियाणा ने इस जिम्मेदारी को कंधों पर उठाकर अद्भुत मिसाल रखी।

### भारतीय सेना की रीढ़—हरियाणा

यदि 26 जनवरी की परेड में दिल्ली की राजपथ (अब कर्तव्य पथ) पर सबसे गर्व का क्षण आता है, तो वह तब जब सैनिकों की टुकड़ियाँ कदमताल करती नज़र आती हैं।

इनमें सबसे बड़ी संख्या किसकी होती है?

हरियाणा की!

हरियाणा की जनसंख्या देश की कुल आबादी का 2% से भी कम, लेकिन भारतीय सेना में योगदान 12–14% तक।

देश के सबसे अधिक शहीद देने वाले राज्यों में हरियाणा शीर्ष पर।

परमवीर चक्र, अशोक चक्र, कीर्ति चक्र, वीरता पुरस्कार—हरियाणा का नाम हर सूची में अग्रणी।

**हरियाणा का हर गांव एक सैनिक की मां है और हर मां एक जांबाज़ बेटे की जननी।**

### किसान: देश की खाद्य सुरक्षा का किला

गणतंत्र में सबसे प्रमुख भूमिका उस किसान की होती है जो देश को भोजन देता है।

हरियाणा ने 'हरित क्रांति' में जो क्रांति की थी, वह गणतंत्र भारत की सबसे बड़ी आर्थिक विजय मानी जाती है।

1960–70 के दशक में हरियाणा ने गेहूं–धान उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि कर देश को भुखमरी से निकाला।

आज भी भारत की अनाज मंडियों का सबसे मजबूत जाल हरियाणा में है।

'अन्नदाता का प्रदेश' भारत को आर्थिक रीढ़ देता है।

### खेलों का सिरमौर — हरियाणा

26 जनवरी की झांकियों में जब भारत के खेल जगत की उपलब्धियाँ दिखाई जाती हैं, तो उनमें आधी कहानियाँ हरियाणा की होती हैं।

ओलंपिक मैडल सूची में हरियाणा का योगदान लगभग 40–45%

कुश्ती, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, हॉकी—हर जगह हरियाणा का परचम

हरियाणा का खिलाड़ी सीखता है—

"हार मानना गुनाह है।"

और यही भावना गणतंत्र की असली शक्ति है।

### संविधान निर्माण में भी हरियाणा की उपस्थिति

संविधान सभा में भी हरियाणा क्षेत्र से नेताओं की भागीदारी रही जिन्होंने

पंचायतों की व्यवस्था,
किसानो के अधिकार,
ग्रामीण भारत की संरचना
जैसे मुद्दों को मजबूत आवाज़ दी।

### संपादक की कलम से — राहुल हिंदुस्तानी

आज जब हम 26 जनवरी मना रहे हैं, तो राजधानी चौपाल अपने पाठकों से एक सरल परंतु गहरा संदेश साझा करना चाहता है—

गणतंत्र सिर्फ उत्सव नहीं, यह जिम्मेदारी का पर्व है।

और इस जिम्मेदारी को निभाने में हरियाणा ने जो उदाहरण दिया है, वह हमसे भी यही अपेक्षा करता है कि हम

- सच बोलें
- सत्य के साथ खड़े हों
- समाज की बेहतरी को अपना कर्तव्य समझें
- और हरियाणा की उस परंपरा को आगे बढ़ाएँ जो "देश पहले – मैं बाद में" सिखाती है।

हरियाणा की कहानी कोई इतिहास नहीं—यह वर्तमान की प्रेरणा और भविष्य की दिशा है।

हमारे सैनिक, हमारे किसान, हमारे युवा, हमारे खिलाड़ी...

हरियाणा की यही ताकत आज भारत के गणतंत्र को सबसे मजबूत बनाती है।

आज के दिन हर नागरिक को अपने भीतर वह आग जगानी चाहिए, जो हरियाणा की मिट्टी में सदियों से सुलगती आई है—

देश के लिए कुछ कर गुजरने की आग।

**अंत में...**

**26 जनवरी पर तिरंगा सिर्फ हवा में नहीं लहराता—**
**यह दिलों में भी लहराना चाहिए।**
**और जब दिल तिरंगे के रंगों से भर जाता है,**
**तो देश को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता।**

**-जय हिंद, जय हरियाणा।**

## कृष्णा चौक की बदहाली

# सरकार की मंशा अच्छी, पर प्रशासन की सुस्ती सबसे बड़ा रोड़ा

राहुल हिंदुस्तानी
संपादक
राजधानी चौपाल

दिल्ली सीमा से सटा गुरुग्राम का कृष्णा चौक आज उस प्रशासनिक लापरवाही का प्रतीक बन गया है, जो शहर की विकास गति को बार-बार ठोकरें लगवा रही है। यह चौक शहर की पहचान होना चाहिए था—स्वच्छ, सुंदर और स्वागत योग्य। सरकार का इरादा भी यही रहा है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर तस्वीर वैसी नहीं है जैसी कागज़ों में दिखाई देती है।

टूटी सड़कें, जर्जर डिवाइडर, बिखरी फुटपाथ टाइलें और धूल-धक्कड़... यही है वह चेहरा जो गुरुग्राम अपने मेहमानों को दिखा रहा है। यह तस्वीर सरकार की किसी योजना की कमी को नहीं, बल्कि प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करती है। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में मॉडल सड़कों, शहरी सौंदर्यकरण और स्मार्ट सिटी विज़न के नाम पर सरकार ने अनेक घोषणाएँ कीं। मंशा हमेशा सकारात्मक रही है, परंतु स्थानीय अधिकारियों की धीमी कार्यशैली ने इन सपनों को कागज़ों में ही कैद कर दिया।

### जमीन की हकीकत—रील और रियलिटी में साफ-साफ फर्क

कागज़ों में चमकदार योजनाएँ बनती हैं, फाइलों में काम पूरा दिखाया जाता है, लेकिन हकीकत में कृष्णा चौक की हालत हर दिन बदतर होती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहाँ सड़कें केवल बनती ही नहीं—कुछ महीनों में टूटने के लिए ही बनती हैं।

अधिकारियों के निरीक्षण सिर्फ फोटो खिंचवाने तक सीमित रह गए हैं। बैठकें होती हैं, मगर परिणाम मैदान में नहीं दिखता। जनता सवाल पूछे तो जवाब—"फंड की कमी है, प्रक्रिया चल रही है" जैसा घिसा-पिटा उत्तर मिलता है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या हर कमी का जिम्मा सरकार ले, और अधिकारी कर्तव्य से मुक्त हो जाएँ?

### स्थानीय जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी है एक कारण

यह सबसे चिंता की बात है कि क्षेत्र के प्रतिनिधि भी इस मुद्दे पर सक्रिय नहीं दिखते। जनता जिनसे जवाबदेही की उम्मीद करती है, वही लोग इस बदहाली पर चुप हैं। प्रशासन भी मानो प्रतीक्षा की मुद्रा में है—"जो चल रहा है, चलने दो।" लेकिन क्या गुरुग्राम जैसा अंतरराष्ट्रीय पहचान वाला शहर इस मानसिकता का हकदार है?

### सरकार की योजनाएँ अच्छी—प्रशासनिक अमल में कसर

यह बात स्वीकार करनी होगी कि राज्य सरकार ने बीते वर्षों में गुरुग्राम के लिए कई सकारात्मक योजनाएँ पेश कीं—

- शहर को मॉडल इन्फ्रास्ट्रक्चर देना
- प्रमुख चौकों का सौंदर्यकरण
- ट्रैफिक समाधान
- स्मार्ट सड़कें

लेकिन अगर वही योजनाएँ ज़मीन पर प्रशासन की उदासीनता के कारण दम तोड़ दें, तो विकास रुकता है, सरकार नहीं। जनता को नुकसान होता है, न कि फाइलें बनाने वाले अधिकारियों को।

योजनाएँ नीयत से नहीं, अमल से सफल होती हैं—और अमल की चाबी प्रशासन के हाथ में है।

### क्या यही 'विकसित गुरुग्राम' की तस्वीर है?

अगर दिल्ली से प्रवेश करने वाला यात्री सबसे पहले टूटी सड़कें, जर्जर चौक और अव्यवस्था देखेगा, तो शहर की छवि पर क्या असर पड़ेगा? गुरुग्राम की पहचान कॉर्पोरेट टावरों से नहीं, बल्कि उन सड़कों से होती है जिन पर जनता रोज़ चलती है।

**इसलिए आवश्यक है कि—**

- सरकार अपने अधिकारियों से कठोर जवाबदेही तय करे
- निरीक्षण और योजनाएँ कागज़ से निकलकर जमीनी कार्यों तक पहुँचें
- KRISHNA CHOWK जैसे प्रमुख स्थानों की मरम्मत को प्राथमिकता मिले

गुरुग्राम देश की आर्थिक राजधानी कहलाता है। ऐसे में यह चौक बदहाली का नहीं, विकास का प्रतीक होना चाहिए।

अन्यथा 'विकसित गुरुग्राम' का सपना सिर्फ नारों में ही रह जाएगा।

---

# धनकोट से एक्सप्रेसवे तक सफर नहीं सजा -टूटे रास्तों ने किया हाल बदहाल

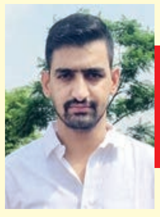

राहुल हिंदुस्तानी
संपादक
राजधानी चौपाल

गुरुग्राम की धनकोट सड़क, जो तीन राज्यों को जोड़ने वाली अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है, आज टूट-फूट और उबड़-खाबड़ हालत के कारण लोगों की सबसे बड़ी परेशानी बन चुकी है। विडंबना यह है कि जिस सरकार ने "इन्फ्रास्ट्रक्चर और विकास" को प्राथमिकता देकर करोड़ों रुपये के प्रोजेक्ट गुरुग्राम को दिए, उसी सरकार की मंशा को प्रशासन की सुस्ती और लापरवाही ने बदनाम कर दिया है।

### 50-60 हजार वाहन रोज़ गुजरते हैं, लेकिन सड़क हाल पगडंडी जैसी

धनकोट से एक्सप्रेसवे तक जाने वाला यह मार्ग प्रतिदिन 50,000 से 60,000 वाहनों का भार झेलता है। यह गुरुग्राम के नए सेक्टरों—99, 102, 106, 108 और आसपास के दर्जनों सोसाइटीज़ की लाइफलाइन है। लेकिन सड़क की खराब स्थिति देखकर लगता है मानो यह निर्माण कार्य वर्षों से ठप पड़ा हो। किसी को विश्वास नहीं होता कि यह वही गुरुग्राम है जिसे देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता है।

### करोड़ों में फ्लैट, पर जीवन धूल-धक्कड़ में

जिन सोसाइटीज़ में लोग करोड़ों रुपये के फ्लैट खरीद रहे हैं, वहाँ दिनभर धूल-मिट्टी, गड्ढे, जाम और आवाजाही की दिक्कतों ने निवासियों का जीना मुश्किल कर दिया है।

निवासी सवाल पूछते हैं—

"हमने आधुनिक शहर में घर खरीदा था या किसी कच्चे गाँव में?"

### सरकार की नीयत साफ, लेकिन अमल में प्रशासन नाकाम

यह कहना गलत नहीं होगा कि सरकार ने गुरुग्राम के लिए बड़ी योजनाएँ मंजूर कीं—

- 27.6 किमी का द्वारका एक्सप्रेसवे
- 16-लेन का हाईवे कनेक्शन
- बड़े-बड़े पुल, अंडरपास, स्मार्ट रोड परियोजनाएँ

लेकिन इन योजनाओं को जमीनी रूप देने का काम जिन विभागों को दिया गया है, उन्होंने निराशा ही दी।

काम होते-होते रह जाता है, फाइलें आगे बढ़ती नहीं, और जब प्रशासन से पूछो तो जवाब मिलता है—

### "प्रक्रिया में है, जल्द होगा।"

- PWD की रफ्तार कछुए जैसी—2024–25 की घोषणाएँ अधर में
- अक्तूबर 2025 में PWD ने धनकोट सड़क के चौड़ीकरण और मॉडल रोड निर्माण की घोषणा की थी। दो लेन फ़्लाईओवर और 75 मीटर चौड़ी सड़क का वादा किया गया।
- लेकिन कई महीनों बाद भी हालात जस के तस हैं।

ना सड़क बनी, ना जाम खत्म हुआ, ना धूल से राहत मिली।

- क्या कागज़ों पर योजनाएँ बनाना ही विकास है?
- या फिर विकास तब पूरा माना जाएगा जब जनता को राहत मिले?

### निवासियों का तर्क—टैक्स हम दें, मुसीबतें भी हम झेलें?

लोगों का कहना है कि टैक्स, टोल, हाउसिंग फीस, सब कुछ समय पर देना पड़ता है, लेकिन बदले में सड़क नहीं, सिर्फ वादे मिलते हैं। क्या स्थानीय अधिकारियों की कोई जवाबदेही नहीं?

यदि करोड़ों का बजट खर्च होने के बाद भी सड़क वैसी ही रहे, तो इसका जिम्मेदार कौन?

### सरकार को चाहिए कड़ा रुख—वरना जनता का भरोसा टूटेगा

धनकोट रोड जैसे संवेदनशील मार्ग पर वर्षों से लंबित काम सिर्फ प्रशासन की ढीली कार्यशैली का नतीजा है।

सरकार की मंशा मजबूत है, योजनाएँ भी बड़ी हैं—लेकिन उन योजनाओं को लागू करने वाले विभाग ही अगर नींद में हों, तो शहर कैसे विकसित होगा?

सरकार को चाहिए कि—

- अधिकारियों से मासिक रिपोर्ट तलब की जाए
- PWD और ठेकेदारों पर समयबद्धता की सख्त शर्तें लगें
- काम को प्राथमिकता में रखकर तय समय पर पूरा किया जाए

### निष्कर्ष : गुरुग्राम का भविष्य विकास से तय होगा, भरोसे से भी

धनकोट रोड की बदहाली सिर्फ एक सड़क की कहानी नहीं, बल्कि इस बात का संकेत है कि विकास का असली इम्तिहान जमीन पर होता है, न कि घोषणाओं में।

जनता को राहत चाहिए, न कि आश्वासन।

अगर जल्द सुधार नहीं हुआ, तो लोग पूछना शुरू कर देंगे—

***"करोड़ों का निवेश कहाँ जा रहा है? और हमारी तकलीफें कब खत्म होंगी?"***

## 5 साल से बदहाल सड़कें : सरकार के दावों पर उठते बड़े सवाल

**गुरुग्राम।** जिसे देश की आर्थिक राजधानी और मिलेनियम सिटी कहा जाता है—आज अपनी ही सड़कों पर लड़खड़ा रहा है। एक तरफ गगनचुंबी इमारतें, मल्टीनेशनल कंपनियाँ और करोड़ों के निवेश की चमक दिखाई देती है, वहीं दूसरी ओर टूटी-फूटी सड़कों की डरावनी हकीकत आम जनता के जीवन को रोज़ाना खतरे में डाल रही है।

हीरो होंडा चौक से कैप्टन उमरान मलिक चौक तक फैली यह सड़क इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण है। पाँच वर्ष से यह सड़क जर्जर हालत में पड़ी है, लेकिन प्रशासन से लेकर जनप्रतिनिधियों तक किसी को इसकी सुध नहीं है। सेक्टर-37 इंडस्ट्रियल एरिया से लेकर कादरपुर, सेक्टर-103 तक के निवासी, व्यापारी और रोज़ आने-जाने वाले हजारों लोग हर दिन इस मार्ग की खड्डों में जान जोखिम में डालने को मजबूर हैं।मुख्यमंत्री द्वारा मॉडल सड़कों के ऐलान कागज़ों पर भले ही चमकदार दिखाई देते हों, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयान करती है। अधिकारियों की उदासीनता और जनप्रतिनिधियों की मौन स्वीकृति इन घोषणाओं को मजाक बनाकर रख देती है।

30 दिसंबर को आयोजित 'विकसित गुरुग्राम महारैली' में प्रदेश के उद्योग मंत्री द्वारा इस सड़क को प्राथमिकता से ठीक करवाने की घोषणा की गई थी। लेकिन सवाल वही—क्या सिर्फ घोषणा से सड़क बन जाएगी? बजट कहाँ है? योजना कब लागू होगी? और पाँच साल से जो हालात हैं, वह आखिर कब तक लोगों की किस्मत बने रहेंगे?

- क्या गुरुग्राम जैसी आधुनिक नगरी को अब भी "टूटी सड़कों का शहर" कहा जाता रहेगा?
- क्या करोड़ों का टैक्स देने वाले नागरिक ऐसी सड़कों के हकदार हैं?
- क्या प्रशासन और जनप्रतिनिधि सिर्फ रैली और फोटोशूट में ही सक्रिय रहेंगे?

गुरुग्राम विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच सड़कें बदहाली की निशानी बन चुकी हैं। सवाल उठता है—क्या यही है "विकसित गुरुग्राम" का सपना?

## थार रॉक्स का स्टार एडिशन लॉन्च, शुरुआती कीमत 16.85 लाख

# नया सिट्रीन यलो कलर के साथ ब्लैक इंटीरियर; पैनोरमिक सनरूफ और 360° कैमरा जैसे फीचर्स

**नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)|** महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी पॉपुलर 5-डोर SUV थार रॉक्स का एक नया स्पेशल स्टार एडिशन भारत में लॉन्च कर दिया है। यह नया एडिशन टॉप-एंड AX7L ट्रिम पर बेस्ड है और इसमें कई कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं, जो इसे रेगुलर मॉडल से अलग और प्रीमियम बनाते हैं। कंपनी ने इसमें नए सिट्रीन यलो कलर ऑप्शन के साथ अंदर ब्लैक-आउट थीम दी है।

**कीमतः पेट्रोल-डीजल दोनों ऑप्शन, शुरुआती कीमत 16.85 लाख :** थार रॉक्स स्टार एडिशन की कीमतें इसके इंजन और गियरबॉक्स के आधार पर तय की गई हैं। इसके डीजल मैनुअल वैरिएंट की शुरुआत 16.85 लाख से होती है, जबकि पेट्रोल ऑटोमैटिक की कीमत 17.85 लाख है। इसका सबसे महंगा डीजल ऑटोमैटिक वैरिएंट 18.35 लाख (एक्स-शोरूम) में मिलेगा। यह बुकिंग के लिए कंपनी की डीलरशिप पर अवेलेबल है।

**एक्सटीरियरः ग्लॉस-ब्लैक ग्रिल और नया सिट्रीन यलो कलर :** ऑफ रोडिंग एसयूवी के स्टार एडिशन में सबसे खास इसका लुक है। रेगुलर थार रॉक्स में ग्रिल बॉडी कलर की होती है, लेकिन स्टार एडिशन में इसे 'ग्लॉस-ब्लैक' फिनिश दिया गया है। इसके अलावा इसके अलॉय व्हील्स भी अब पूरी तरह ब्लैक हैं। कंपनी ने इसमें एक नया सिट्रीन यलो शेड पेश किया है। इसके अलावा, यह टैंगो रेड, एवरेस्ट वाइट और स्टेल्थ ब्लैक कलर में भी मिलेगी। पहचान के लिए इसके C-पिलर पर स्टार एडिशन का खास बैज लगाया गया है।

**इंटीरियरः लाइट थीम की जगह अब मिलेगा ऑल-ब्लैक केबिन :** थार रॉक्स के रेगुलर मॉडल में लाइट कलर थीम में इंटीरियर मिलता है, लेकिन स्टार एडिशन में पूरी तरह से ब्लैक थीम दी गई है। इसमें ब्लैक लेदरेट अपहोल्स्ट्री के साथ स्वेड एक्सेंट्स दिए गए हैं, जो केबिन को स्पोर्टी और प्रीमियम फील देते हैं। डैशबोर्ड का लेआउट वही है, जो AX7L ट्रिम में मिलता है।

**फीचर्सः पैनोरमिक सनरूफ और 360-डिग्री कैमरा जैसे लग्जरी फीचर्स :** फीचर्स की बात करें तो इसमें 10.25-इंच की दो स्क्रीन (एक इंफोटेनमेंट और दूसरी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के लिए) दी गई हैं। इंफोटेनमेंट सिस्टम वायरलेस एपल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो सपोर्ट के साथ दिया गया है। इसके अलावा कार में वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पैनोरमिक सनरूफ और 9-स्पीकर वाला हरमन कार्डन साउंड सिस्टम दिया गया है।

**परफॉर्मेंसः 177hp की पावर, लेकिन सिर्फ रियर व्हील ड्राइव का ऑप्शन :** इंजन की बात करें तो इसमें कोई बदलाव नहीं है, लेकिन एक बात ध्यान देने वाली है कि स्टार एडिशन सिर्फ रियर-व्हील ड्राइव (RWD) ऑप्शन मिलेगा, इसमें 4x4 का ऑप्शन नहीं है।

**पेट्रोल इंजनः** 2.0-लीटर इंजन 177hp की पावर और 380Nm का टॉर्क जनरेट करता है। यह सिर्फ ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ अवेलेबल है।

**डीजल इंजनः** 2.2-लीटर इंजन 175hp की पावर और 400Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ऑप्शन मिलेंगे।

### सेफ्टी फीचर्सः ADAS के साथ 6 एयरबैग्स मिलेंगे

एसयूवी में सेफ्टी के लिए टॉप-नोच फीचर्स दिए गए हैं। इसमें लेवल-2 ADAS (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम), 6 एयरबैग्स, 360-डिग्री कैमरा, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ESC) और सभी पहियों पर डिस्क ब्रेक जैसे फीचर्स मिलते हैं। इसके अलावा इसमें अलग-अलग टेरेन मोड्स भी दिए गए हैं, जो खराब सड़कों पर ड्राइविंग को आसान बनाते हैं।

## नई मर्सिडीज EQS लांच, कीमत 1.34 करोड़

# 13 इमेजेस में देखें इलेक्ट्रिक SUV का लुक और फीचर्स

**भोपाल (राजधानी चौपाल)|** जर्मन लग्जरी कार मेकर मर्सिडीज-बेंज ने भारत में अपनी फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक एसयूवी EQS का नया सेलिब्रेशन एडिशन लॉन्च किया है। कंपनी ने इसके 5-सीटर वर्जन की कीमत 1.34 करोड़ और 7-सीटर वर्जन की कीमत 1.48 करोड़ (एक्स-शोरूम) रखी है।

इस स्पेशल एडिशन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि कंपनी ने इसके बेस वैरिएंट (EQS 450) में भी अब स्पोर्टी 'AMG लाइन' ट्रिम शामिल कर दिया है। मर्सिडीज के मुताबिक, 2025 में EQS भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली लग्जरी इलेक्ट्रिक SUV रही है।

**डिजाइनः अब और भी स्पोर्टी हुई लग्जरी एसयूवी :** सेलिब्रेशन एडिशन के जरिए मर्सिडीज ने बेस 450 वैरिएंट के लुक्स को अपडेट किया है। इसमें अब AMG लाइन के स्पोर्टी फ्रंट और रियर बंपर दिए गए हैं। साथ ही, कार में 21-इंच के बड़े AMG-स्पेसिफिकेशन वाले अलॉय व्हील्स मिलते हैं, जो इसे रोड पर एक दमदार प्रेजेंस देते हैं। इससे पहले तक AMG लाइन ट्रिम सिर्फ टॉप-एंड EQS 580 वैरिएंट में ही अवेलेबल था।

**इंटीरियरः 56-इंच की हाइपरस्क्रीन और रियर वेंटिलेटेड सीट्स :** कार के केबिन में मर्सिडीज की सिग्नेचर 'हाइपरस्क्रीन' दी गई है। यह 56-इंच की स्क्रीन है, जो पूरे डैशबोर्ड पर फैली हुई है। इसमें ड्राइवर के लिए इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, बीच में इंफोटेनमेंट सिस्टम और पैसेंजर के लिए अलग स्क्रीन दी गई है। अब दोनों वैरिएंट्स में रियर-सीट वेंटिलेशन फंक्शन को स्टैंडर्ड कर दिया गया है। इसके अलावा 4-जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, मल्टी-कलर एम्बिएंट लाइट और वायरलेस चार्जर जैसे फीचर्स केबिन को खास बनाते हैं।

**परफॉर्मेंसः 122kWh की बड़ी बैटरी और 820km की रेंज :** परफॉर्मेंस के मामले में यह कार बेहद पावरफुल है। दोनों ही वैरिएंट्स में 122kWh का बड़ा बैटरी पैक दिया गया हैः

- **EQS 450:** यह 5-सीटर कॉन्फिगरेशन में आती है। इसमें ड्यूल-मोटर सेटअप है जो 360hp की पावर और 800Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसकी रेंज 820km (MIDC) है।
- **EQS 580:** यह 7-सीटर ऑप्शन के साथ आती है। इसके ड्यूल-मोटर सेटअप से 544hp की पावर और 858Nm का टॉर्क मिलता है। इसकी रेंज 809km (MIDC) है।

**सेफ्टी फीचर्सः 9 एयरबैग्स और लेवल-2 ADAS :** सेफ्टी के लिए मर्सिडीज EQS में लेवल-2 एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS) दिया गया है, जो ड्राइविंग के दौरान हादसे से बचाने में मदद करता है। इसके अलावा सेफ्टी के लिए 9 एयरबैग्स, 360-डिग्री कैमरा और 15-स्पीकर वाला बुर्मेस्टर प्रीमियम ऑडियो सिस्टम दिया गया है।

### इस साल 12 नई गाड़ियां भारत आएंगी, भोपाल में खोला नया आउटलेट

कंपनी ने मध्यप्रदेश के भोपाल शहर में फ्रैंचाइज पार्टनर लैंडमार्क कार्स के साथ मिलकर रानी कंमलापति स्टेशन के पास स्थित प्रीमियम कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में नया शोरूम ओपन किया है। यह शोरूम 1,100 वर्ग फीट में बना है।

ओपनिंग के मौके पर मर्सिडीज-बेंज इंडिया के CFO इमराह ओएजर ने कहा कि, इस साल हम 12 नए प्रोडक्ट लॉन्च करेंगे, अपने लोकल प्रोडक्शन पोर्टफोलियो को बढ़ाएंगे, मर्सिडीज बेंज चार्ज पब्लिक लॉन्च करेंगे, नए मार्केट में विस्तार करेंगे और अपने पूरे नेटवर्क को अपग्रेड करने में इन्वेस्ट करेंगे।

मर्सिडीज-बेंज ने 20 नए आउटलेट्स खोलने और अपने 15 मौजूदा सेंटर्स को इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के हिसाब से अपग्रेड करने का प्लान बनाया है। कंपनी के फ्रेंचाइजी पार्टनर्स ने डीलरशिप और सर्विस आउटलेट्स को बेहतर बनाने के लिए 470 करोड़ रुपए का निवेश किया है। फिलहाल, कंपनी भारत के 50 से ज्यादा शहरों में 140 से अधिक आउटलेट्स चला रही है।

## न्यूज ब्रीफ

### इस साल आ सकता है एपल का फोल्डेबल आईफोन : फेस आईडी की जगह टच आईडी मिलने की उम्मीद

**नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)|** एपल के पहले फोल्डेबल आईफोन का इंतजार कर रहे फैन्स के लिए बड़ी खबर है। दिग्गज टेक एनालिस्ट जेफ पु ने निवेशकों के लिए जारी एक नोट में इस डिवाइस में क्या-क्या मिल

सकता है इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, एपल का यह फोन 2026 में लॉन्च हो सकता है। यह डिवाइस दिखने में काफी हद तक आईपैड मिनी जैसा होगा और इसमें मजबूती के लिए खास लिक्विड मेटल का इस्तेमाल किया जाएगा। इस साल एपल का लॉन्चिंग इवेंट सितंबर में हो सकता है। दो डिस्प्ले और टाइटेनियम बॉडी मिलेगी एनालिस्ट जेफ पु के अनुसार, फोल्डेबल आईफोन में दो डिस्प्ले होंगे। बाहर वाला कवर डिस्प्ले 5.3 इंच का होगा, जबकि फोन को खोलने पर अंदर की मेन स्क्रीन 7.8 इंच की होगी। फेस आईडी नहीं, टच आईडी मिलने की संभावना इस फोन की सबसे चौंकाने वाली बात इसकी सिक्योरिटी फीचर है। आमतौर पर एपल अपने प्रीमियम आईफोन्स में फेस आईडी देता है, लेकिन फोल्डेबल फोन में कंपनी टच आईडी का इस्तेमाल कर सकती है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि एपल ने यह फैसला तकनीकी वजहों से लिया है या फिर फोन की लागत कम करने के लिए। टेक एक्सपर्ट्स इसे थोड़ा निराशाजनक मान रहे हैं क्योंकि फेस आईडी को ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

### भारत में एपल पे सर्विस जल्द लॉन्च होगी : आईफोन यूजर्स बिना कार्ड स्वाइप किए पेमेंट कर सकेंगे

**नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)|** एपल भारत में अपनी डिजिटल पेमेंट सर्विस एपल पे लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए कंपनी ने मास्टरकार्ड और वीजा जैसे बड़े कार्ड नेटवर्क के साथ बातचीत शुरू कर दी है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, एपल भारत में जरूरी रेगुलेटरी अप्रूवल लेने की प्रोसेस में है। कंपनी का प्लान इसे साल 2026 तक फेज तरीके से रोलआउट करने का है। खबरों के मुताबिक, एपल पे के पहले फेज में कंपनी यूपीआई के लिए थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर लाइसेंस के लिए आवेदन नहीं करेगी। शुरुआत में एपल का पूरा फोकस कार्ड-बेस्ड कॉन्टैक्टलेस पेमेंट्स पर होगा। यानी आईफोन यूजर्स अपने क्रेडिट या डेबिट कार्ड को एपल वॉलेट में स्टोर कर सकेंगे और मर्चेंट आउटलेट्स पर सिर्फ फोन टैप करके पेमेंट कर पाएंगे।

# टोल प्लाजा 1 अप्रैल से कैशलेस, नकद भुगतान बंद होगा

## सिर्फ फास्टैग या UPI से टैक्स लिया जाएगा; अभी 25 टोल पर ट्रायल शुरू

**नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)|** एक अप्रैल से देश के सभी टोल प्लाजा कैशलेस हो जाएंगे। नए नियमों के लागू होने के बाद वाहन चालकों को टोल टैक्स चुकाने के लिए सिर्फ फास्टैग (FASTAG) या UPI पेमेंट का ही इस्तेमाल करना होगा।

यह जानकारी टीवी न्यूज चैनल आज तक को इंटरव्यू में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर ने दी। उन्होंने कहा कि टोल पर नकद (कैश) लेनदेन को पूरी तरह से बंद करने का फैसला लिया है।

इस कदम का मुख्य उद्देश्य टोल नाकों पर लगने वाली लंबी लाइनों को खत्म करना और सफर को बाधा रहित बनाना है। इस 'नो-स्टॉप' सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट फिलहाल देश के 25 टोल प्लाजा पर टेस्ट किया जा रहा है। हालांकि अभी आधिकारिक नोटिफिकेशन आना बाकी है।

**ट्रैफिक जाम और समय की बर्बादी खत्म करने की कोशिश :** केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय इस डिजिटल बदलाव को लागू करने के लिए अंतिम रूप दे रहा है। वर्तमान में फास्टैग अनिवार्य होने के बावजूद कई जगहों पर कैश लेनदेन होते हैं। डिजिटल पेमेंट न करने वाले वाहनों के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। कैश बंद होने से गाड़ियों को टोल बूथ पर रुकना नहीं पड़ेगा।

### सरकार के इस फैसले के 3 बड़े कारण

1. **फ्यूल की बचतः** टोल प्लाजा पर गाड़ियों के बार-बार रुकने और चलने के कारण भारी मात्रा में डीजल और पेट्रोल की बर्बादी होती है। कैश खत्म होने से यह बचत होगी।
2. **पारदर्शिताः** हर लेनदेन का डिजिटल रिकॉर्ड रहेगा, जिससे टोल कलेक्शन में होने वाली हेराफेरी या गड़बड़ी की गुंजाइश खत्म हो जाएगी।
3. **तेज सफरः** खुल्ले पैसों के चक्कर में होने वाली बहस और मैनुअल रसीद कटने में लगने वाला समय बचेगा। समय की भी बचत होगी।

**बैरियर-मुक्त टोलिंग की तरफ बढ़ने की तैयारी :** कैश पेमेंट बंद करना देश में 'मल्टी-लेन फ्री फ्लो' (MLFF) सिस्टम की दिशा में पहला कदम है। सरकार ऐसी तकनीक पर काम कर रही है, जिसमें हाईवे पर कोई फिजिकल बैरियर (नाका) नहीं होगा। गाड़ियां हाईवे की रफ्तार पर चलती रहेंगी और कैमरों व सेंसर्स की मदद से टोल अपने आप कट जाएगा।

**अपना फास्टैग बैलेंस चेक करें :** नया नियम लागू होने से पहले वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे अपने फास्टैग अकाउंट को एक्टिव रखें। अगर आप फास्टैग का उपयोग नहीं करते हैं, तो सुनिश्चित करें कि आपके स्मार्टफोन में यूपीआई पेमेंट की सुविधा चालू हो।

एक अप्रैल 2026 के बाद बिना डिजिटल पेमेंट के टोल प्लाजा पर पहुंचने पर आपको जुर्माना भी भरना पड़ सकता है या वापस लौटाया जा सकता है। हालांकि नए नियमों की डिटेल आना बाकी है।

## विनफास्ट VF6-VF7 को भारत NCAP से 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली

# दोनों इलेक्ट्रिक SUV को एडल्ट और चाइल्ड प्रोटेक्शन में हाई स्कोर

**नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)|** वियतनामी इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी विनफास्ट के दो इलेक्ट्रिक SUV मॉडल VF6 और VF7 को भारत NCAP से टॉप 5-स्टार सेफ्टी सर्टिफिकेशन मिला है। दोनों मॉडल्स ने एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन (AOP) और चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन (COP) दोनों कैटेगरी में 5-स्टार रेटिंग हासिल की है।

यह रेटिंग भारत में विनफास्ट के हालिया लॉन्च के बाद ही मिली है और कंपनी की सेफ्टी पर मजबूत कमिटमेंट को दिखाती है। भारत NCAP के रिजल्ट्स के मुताबिक, VF 6 ने एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में 32 में से 27.13 पॉइंट्स और चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में 49 में से 44.41 पॉइंट्स स्कोर किए। वहीं VF 7 ने AOP में 32 में से 28.54 पॉइंट्स और COP में 49 में से 45.25 पॉइंट्स हासिल किए।

दोनों मॉडल्स का फ्रंटल, साइड और पोल इंपैक्ट टेस्ट्स में अच्छा परफॉर्मेंस रहा, जिससे हाई लेवल की प्रोटेक्शन मिली। हालांकि, VF 6 में फ्रंटल कोलिजन में ड्राइवर के चेस्ट को थोड़ा कम प्रोटेक्शन मिला, लेकिन कुल मिलाकर 5-स्टार रेटिंग बनी रही।

**विनफास्ट का भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लान :** विनफास्ट ने 2025 में भारत में एंट्री की थी और अब तमिलनाडु में लोकल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगा रही है। कंपनी ने 2 बिलियन डॉलर का इन्वेस्टमेंट कमिट किया है। VF 6 और VF 7 को भारत में मेड-इन-इंडिया तरीके से बनाया जा रहा है। VF 6 की शुरूआती कीमत 16.49 लाख और VF 7 की शुरूआती कीमत 20.89 लाख रुपए (एक्सशोरूम) है। कंपनी के ये दोनों मॉडल कॉम्पैक्ट और मिड-साइज इलेक्ट्रिक SUV सेगमेंट में टाटा कर्व, नेक्सन ev, महिंद्रा XUV400 जैसे मॉडल्स से मुकाबला करेंगे।

विनफास्ट के एग्जीक्यूटिव्स ने कहा कि यह 5-स्टार रेटिंग भारत के कस्टमर्स के लिए सेफ्टी और क्वालिटी का मजबूत मैसेज है। कंपनी भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने पर फोकस कर रही है और जल्द ही और मॉडल्स लॉन्च करने की प्लानिंग है।

### सेफ्टी फीचर्स और टेक्नोलॉजी

दोनों मॉडल्स में एडवांस्ड सेफ्टी फीचर्स जैसे 6 एयरबैग्स, ABS, EBD, ESP, 360 डिग्री कैमरा, ADAS लेवल-2 फीचर्स और सॉलिड बॉडी स्ट्रक्चर दिए गए हैं। विनफास्ट ने वॉलंटरी तरीके से इन मॉडल्स को भारत NCAP टेस्ट के लिए सबमिट किया था, जो कंपनी की क्वालिटी और सेफ्टी पर भरोसे को दिखाता है। यह रेटिंग टाटा और महिंद्रा के कई EV मॉडल्स के 5-स्टार स्कोर से मैच करती है।

### फ्यूचर प्लान्स और मार्केट इंपैक्ट

विनफास्ट भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल मार्केट में तेजी से एक्सपैंड करने की तैयारी में है। लोकल प्रोडक्शन से कीमतें कंट्रोल में रहेंगी और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी काम चल रहा है। यह 5-स्टार रेटिंग कस्टमर्स के बीच भरोसा बढ़ाएगी, खासकर फैमिली SUV बायर्स के लिए। आने वाले महीनों में कंपनी और डिटेल्स शेयर कर सकती है।

## टोयोटा अर्बन क्रूजर EV कल लॉन्च होगी

# हार्टेक्ट-ई प्लैटफॉर्म पर बनाई गई है ईवी, फुल चार्ज पर 543 किमी. की रेंज और 10.25-इंच की स्क्रीन

**नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)|** जापानी कार निर्माता कंपनी टोयोटा 20 जनवरी भारत में अपनी पहली इलेक्ट्रिक SUV अर्बन क्रूजर EV लॉन्च करने जा रही है। कंपनी का दावा है कि इलेक्ट्रिक SUV को एक बार फुल चार्ज करने पर 550 किलोमीटर की रेंज मिलेगी। यह मारुति सुजुकी की अपकमिंग इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा का री-बैज वर्जन है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 21 लाख से 26 लाख के बीच हो सकती है। डिलीवरी मार्च-अप्रैल 2026 से शुरू हो सकती है। मिड-साइज सेगमेंट में आने वाली इस इलेक्ट्रिक SUV का सीधा मुकाबला हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक, टाटा हैरियर ईवी और महिंद्रा BE6 से होगा।

टोयोटा अर्बन क्रूजर को हार्टेक्ट-ई प्लैटफॉर्म पर बनाया गया है, जिसे कंपनी ने मारुति सुजुकी के साथ मिलकर बनाया है। यह नई कार ईवीएक्स का रिबैज्ड वर्जन है, जिसके प्रोडक्शन वर्जन को इटली के मिलान में हुए मोटर शो EICMA-2024 में ग्लोबल मार्केट के लिए ई-विटारा नाम से पेश किया गया था। अर्बन क्रूजर ईवी के प्रोडक्शन मॉडल में अपने कॉन्सेप्ट मॉडल से कुछ बदलाव किए गए हैं। इसकी लंबाई को 15mm और चौड़ाई को 20mm कम किया गया है, लेकिन इसकी ऊंचाई को 20mm बढ़ाई गई है। व्हीलबेस की लंबाई 2,700mm ही है। खास बात यह है कि ये डायमेंशन अर्बन क्रूजर ईवी को ई विटारा से थोड़ा बड़ा बनाते हैं।

**एक्सटीरियरः LED लाइटिंग सेटअप के साथ 19-इंच के एलॉय व्हील्स :** कार का ओवर ऑल बॉडी स्ट्रक्चर ई-विटारा जैसा ही है, लेकिन इसकी फ्रंट प्रोफाइल बिल्कुल अलग है। इसमें एक चौड़ी क्रोम स्ट्रिप है, जो दोनों LED हेडलैम्प्स को जोड़ती है और पूरा सेटअप एक ब्लैक केसिंग में घिरा है। दोनों तरफ 12 छोटी-छोटी गोल LED DRLs दी गई हैं। नीचे की तरफ एक मोटा बम्पर है और दोनों तरफ वर्टिकल एयर वेंट दिए गए हैं।

साइड से देखने पर टोयोटा की ईवी मारुति eVX जैसी ही नजर आ रही है, जिसमें चौकोर व्हील आर्च, डोर पर चौड़ी बॉडी क्लैडिंग और सी-पिलर पर लगे रियर डोर हैंडल दिए गए हैं। इसमें ई-विटारा की तरह 19-इंच के एलॉय व्हील्स दिए गए हैं, लेकिन डिजाइन अलग है।

रियर प्रोफाइल पूरी तरह से eVX जैसी दिख रही है। इसमें एक बड़ा बंपर, रूफ इंटीग्रेटेड स्पॉइलर और बीच में रिफ्लेक्टिंग एलिमेंट के साथ एंड-टू-एंड कनेक्टेड टेल लैंप सेटअप है। DRLs की तरह ही, टेललैंप में भी गोल लाइटिंग एलिमेंट दिए गए हैं, जो इसे ई-विटारा से अलग बनाते हैं।

**दो बैटरी पैक ऑप्शन के साथ 550 किलोमीटर की रेंज :** यूरोपियन मार्केट में टोयोटा अर्बन क्रूजर ईवी को ई-विटारा की तरह दो बैटरी पैक ऑप्शन के साथ पेश किया गया है। इसमें 49kWh और 61kWh का बैटरी पैक ऑप्शन शामिल है।

कंपनी ने अभी तक कार की सर्टिफाइड रेंज का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उम्मीद है इसकी फुल चार्ज में रेंज 550 किलोमीटर तक हो सकती है, जो ई विटारा से 150km ज्यादा है। कार में 2 व्हील ड्राइव और 4 व्हील ड्राइव का ऑप्शन भी दिया जाएगा।

### इंटीरियर और फीचर्सः 10.25 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम

अर्बन क्रूजर ईवी का केबिन बिल्कुल ई-विटारा जैसा ही है। इसकी कलर केबिन थीम को अलग रखा गया है, जो पूरी तरह से ब्लैक है। केबिन का बाकी हिस्सा लेयर्ड डैशबोर्ड, सेमी-लेदरेट अपहोल्स्ट्री, स्क्वैरिश एसी वेंट, ब्रश एल्युमिनियम और ग्लॉस ब्लैक एलिमेंट्स दिए गए हैं।

इसमें 2-स्पोक फ्लेट बॉटम स्टीयरिंग व्हील और वर्टिकल ओरिएंटेड AC वेंट्स के चारों ओर ग्लॉस ब्लैक टच दिया गया है। इसके केबिन का प्रमुख हाइलाइट इंटीग्रेटेड फ्लोटिंग स्क्रीन सेटअप दिया गया है, जिसमें एक इंफोटेनमेंट और दूसरी ड्राइवर डिस्प्ले है। फीचर लिस्ट में 10.25 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.1 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, फिक्स्ड ग्लासरूफ, JBL साउंड सिस्टम और पावर्ड ड्राइवर सीटें शामिल हैं।

# सर्दियों के कपड़े कैसे स्टोर करें...

## वूलन कपड़े धोते–स्टोर करते समय ध्यान रखें ये 10 बातें, न करें ये 9 गलतियां

सर्दियों की विदाई का वक्त आ गया है। सुबह-शाम की हल्की ठंड के साथ दिन में तेज धूप निकल रही है। लोग स्वेटर, शॉल और जैकेट वापस सुरक्षित तरीके से रखने की तैयारी कर रहे हैं। ऊनी कपड़े रखने में जरा-सी लापरवाही बदबू, फंगस या कीड़ों की समस्या खड़ी कर सकती है। इसलिए सर्दियों के सभी कपड़ों को पैक करने से पहले सही तरीका जानना जरूरी है, ताकि अगली सर्दी में वे सुरक्षित, साफ और पहनने लायक बने रहें। इसलिए आज जानेंगे कि सर्दियों के कपड़े स्टोर करने का सही तरीका क्या है। साथ ही जानेंगे कि-

**इन्हें पैक करने से पहले धुलना चाहिए या नहीं?**

**पैक्ड कपड़ों को नमी–फंगस से कैसे सुरक्षित रखें?**

**Q. सर्दियों के कपड़े स्टोर करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?**

A. सबसे जरूरी बात ये है कि वुलन कपड़े पूरी तरह साफ-सुथरे और सूखे हों। नमी रहने पर फंगस और बदबू पैदा हो सकती है। कपड़ों को सीधे धूप में सुखाने की बजाय हल्की हवा में सुखाना बेहतर रहता है। इनके स्टोरेज की जगह ठंडी, सूखी और हवादार होनी चाहिए। कीड़े-मकोड़ों से बचाने के लिए नीम की पत्तियां या कपूर रखें। कुछ महीनों के अंतराल पर कपड़ों को चेक करना भी जरूरी है।

**Q. वूलन कपड़ों को प्लास्टिक बैग, कपड़े के बैग या कॉटन बॉक्स, किसमें स्टोर करना सबसे सही है?**

A. वूलन कपड़ों के लिए सबसे सही विकल्प कॉटन बैग या कपड़े का बॉक्स होता है। इनमें हवा पास होती रहती है, जिससे कपड़ों में नमी नहीं होती है। प्लास्टिक बैग एयरटाइट होते हैं। अगर इसे बंद करते समय थोड़ी भी नमी रह गई तो फंगस का खतरा बढ़ जाता है। अगर प्लास्टिक का इस्तेमाल करना जरूरी हो, तो उसमें छोटे–छोटे वेंटिलेशन होल कर दें, जिससे हवा पास होती रहे।

**Q. ऊनी कपड़ों को पैक करने से पहले धोना क्यों जरूरी है?**

A. ऊनी कपड़ों को पैक करने से पहले धोना इसलिए जरूरी है क्योंकि उनमें पसीना, स्किन ऑयल और खाने के सूक्ष्म कण रह जाते हैं। ये कपड़ों पर कीड़ों को आकर्षित करते हैं। वैसे भी कीड़े गंदगी में ज्यादा पनपते हैं, साफ कपड़ों में नहीं पनपते हैं। बिना धोए कपड़े रखने पर इनमें दाग पड़ सकते हैं और बदबू भी आ सकती है। साफ और सूखे कपड़े लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं और अगली सर्दी में सीधे पहनने लायक होते हैं।

**Q. पैकिंग से पहले वूलन शॉल-स्वेटर को कैसे सुखाएं कि नमी बिल्कुल न रहे?**

A. वूलन शॉल और स्वेटर धोने के बाद उन्हें निचोड़ने के बजाय हल्के से दबाकर अतिरिक्त पानी निकालें। फिर उन्हें किसी कपड़े पर फैलाकर समतल सतह पर सुखाएं। सीधे तेज धूप में रखने से ऊन के फाइबर सख्त हो सकते हैं। इसलिए इन्हें सुखाने के लिए छायादार और हवादार जगह बेहतर होती है। ऊन नमी को अंदर तक सोख लेता है। इसलिए पैक करने से पहले इन्हें कम-से-कम 24 घंटे पूरी तरह सूखने दें।

**Q. क्या सीलन से बचाने के लिए पैकिंग के साथ नेफ्थलीन की गोलियां डालना जरूरी है?**

A. सीलन से बचाने के लिए नेफ्थलीन की गोलियां डालना जरूरी नहीं है। नेफ्थलीन कीड़े दूर रखने में मदद करता है, लेकिन यह नमी को नहीं सोखता है। नेफ्थलीन से निकलने वाली गैस कुछ लोगों के लिए सिरदर्द, एलर्जी की वजह बन सकती है। इसके कारण सांस से जुड़ी समस्या भी हो सकती है। अगर कपड़े अच्छी तरह सूखे हों और एयर-पास होने वाले बैग में रखे जाएं, तो सीलन का खतरा कम हो जाता है। नमी से बचाव के लिए साथ में कुछ सूखे कपड़े रखना अच्छा विकल्प है।

**Q. अगर नेफ्थलीन से एलर्जी हो तो उसका कोई देसी, घरेलू विकल्प भी यूज किया जा सकता है?**

A. हां, नेफ्थलीन के कुछ सुरक्षित घरेलू विकल्प भी हैं, जैसेकि कपूर और नीम। कपूर की खुशबू कीड़े-मकोड़ों को दूर रखती है। यह एंटी-फंगल की तरह भी काम करता है। नीम की सूखी पत्तियां या नीम का पाउडर कपड़े के छोटे पाउच में रखकर इस्तेमाल किया जा सकता है। नीम में मौजूद प्राकृतिक कंपाउंड कीड़े नहीं पनपने देते हैं। इससे कोई केमिकल गैस भी नहीं निकलती है।

**Q. ऊनी कपड़े मोड़कर स्टोर करना सही है या हैंगर में टांगना सही है?**

A. ऊनी कपड़ों को मोड़कर स्टोर करना ज्यादा सही माना जाता है। ऊन के फाइबर नरम और भारी होते हैं। इसलिए हैंगर में टांगने पर कपड़ा अपने वजन से खिंच सकता है और कंधों का शेप बिगड़ सकता है। ऊन में इलास्टिसिटी कम होती है, इसलिए लंबे समय तक टांगने से वह ढीला पड़ सकता है। स्वेटर, शॉल और कार्डिगन को साफ, सूखी जगह पर हल्के से मोड़कर रखना बेहतर है। केवल हल्की ऊनी जैकेट को चौड़े, पैडेड हैंगर पर टांगा जा सकता है।

**Q. ऊनी कपड़ों को नमी और फंगस से बचाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?**

A. ऊनी कपड़ों को नमी और फंगस से बचाने के लिए उन्हें पूरी तरह सुखाकर ही स्टोर करना जरूरी है। स्टोरेज की जगह हवादार और सूखी होनी चाहिए। एयरटाइट प्लास्टिक बैग में पैक करने से बचें, क्योंकि इनमें अगर पैक करते समय नमी रह गई तो फंसी रह जाएगी। ऊन नमी को जल्दी सोख लेता है, जिससे फंगस का खतरा हो सकता है। साथ में नमी सोखने के लिए सूखा अखबार या कॉटन पाउच रख सकते हैं।

**Q. ऊनी कपड़ों के साथ कौन-सी चीजें नहीं रखनी चाहिए?**

A. ऊनी कपड़ों के साथ गीले या आधे सूखे कपड़े कभी नहीं रखने चाहिए, क्योंकि इससे नमी बढ़ती है। परफ्यूम, डियोड्रेंट या किसी भी केमिकल स्प्रे को सीधे कपड़ों के पास रखना नुकसानदायक हो सकता है। इन केमिकल्स की गैस ऊन के फाइबर को कमजोर कर सकती है। खाने की चीजें या उनके टुकड़े भी नहीं रखने चाहिए, क्योंकि ये कीड़ों को आकर्षित करते हैं। तेज स्मेल वाले साबुन या डिटर्जेंट भी ऊनी कपड़ों के रंग और क्राफ्ट को खराब कर सकते हैं।

**Q. ऊनी कपड़े स्टोर करते समय लोग अक्सर क्या गलतियां करते हैं?**

A. ऊनी कपड़े स्टोर करते समय सबसे कॉमन गलती उन्हें बिना धोए या अधसूखी हालत में पैक करना है। कपड़ों में पसीना और बॉडी ऑयल रह जाने से कीड़े और फंगस जल्दी लगते हैं। ग्राफिक में देखिए, क्या गलतियां नहीं करनी चाहिए-

**Q. अगर स्टोरेज के दौरान कपड़ों में बदबू या फंगस लग जाए तो क्या करें?**

A. अगर ऊनी कपड़ों से बदबू आने लगे या फंगस लग जाए, तो सबसे पहले उन्हें स्टोरेज से बाहर निकालकर खुली हवा में रखें। इन्हें हल्की धूप या छायादार-हवादार जगह पर फैलाकर सुखाएं। फंगस के दाग हों तो हल्के गुनगुने पानी और वूलन फ्रेंडली डिटर्जेंट से धोएं। धोने के बाद कपड़ों को पूरी तरह सुखाएं और दोबारा स्टोर करते समय नमी सोखने वाले पाउच साथ में जरूर रखें।

---

**बेबी फीडर में खतरनाक माइक्रोप्लास्टिक**

# शिशु को प्लास्टिक बोतल में दूध न पिलाएं, पीडियाट्रिशियन से जानें सेफ तरीका

आपने अपने आसपास घरों में कभी-न-कभी छोटे बच्चों को प्लास्टिक की बोतल से दूध पीते जरूर देखा होगा। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के मुताबिक, भारत में तीन साल से कम उम्र के हर पांच में से एक बच्चे को प्लास्टिक की बोतल से दूध पिलाया जाता है। आपको यह बात बहुत नॉर्मल लग रही होगी। लेकिन इसकी वजह से 3 साल की उम्र तक बच्चे लाखों माइक्रोप्लास्टिक पार्टिकल्स इनहेल कर चुके होते हैं।

फरवरी, 2025 में 'साइंस डायरेक्ट' में एक स्टडी पब्लिश हुई। चीन के शंघाई में हुई इस स्टडी के मुताबिक, प्लास्टिक फीडिंग बोतलें प्रति लीटर 1465 से 5893 माइक्रोप्लास्टिक कण छोड़ती हैं। इन बोतलों को उबालने या उसमें गर्म दूध रखने पर इसकी मात्रा दोगुनी तक हो जाती है। इससे शिशु रोज 2080 से 5910 तक माइक्रोप्लास्टिक कण निगल सकते हैं। ये स्टडी बच्चों की सुरक्षा के लिए नॉन-प्लास्टिक बोतलों के इस्तेमाल की सलाह देती है।

ऐसी ही एक स्टडी साल 2020 में नेचर जर्नल में पब्लिश हुई थी। इसमें बताया गया था कि तय गाइडलाइंस के मुताबिक फॉर्मूला मिल्क तैयार करने पर भी प्लास्टिक बोतल से प्रति लीटर 13 लाख से 1.62 करोड़ तक माइक्रोप्लास्टिक कण रिलीज हो सकते हैं। इससे पता चलता है कि प्लास्टिक बोतलें शिशुओं के लिए माइक्रोप्लास्टिक एक्सपोजर का एक बड़ा सोर्स हैं। तो चलिए, आज जरूरत की खबर में हम प्लास्टिक फीडिंग बोतलों के खतरों के बारे में बात करेंगे...

**Q. प्लास्टिक फीडिंग बोतल में ऐसे कौन-कौन से तत्व होते हैं, जो शिशुओं के लिए खतरनाक होते हैं?**

A. प्लास्टिक बोतल में कई ऐसे केमिकल्स होते हैं, जो शिशुओं के विकास में बाधा बन सकते हैं। गर्म करने, उबालने या लंबे समय तक इस्तेमाल के दौरान ये तत्व प्लास्टिक बोतल से रिलीज होकर दूध या पानी में मिल सकते हैं। बेबी बोतल में पाए जाने वाले खतरनाक केमिकल्स के बारे में समझिए।

**Q. दूध की बोतल में मौजूद तत्व बीपीए (Bisphenol-A) क्या है?**

A. यह एक तरह का केमिकल है, जिसका इस्तेमाल प्लास्टिक को मजबूत और पारदर्शी बनाने के लिए किया जाता है। फीडिंग बोतलों, सिप्पी कप और फूड कंटेनर्स में इसका उपयोग किया जाता है। इन प्रोडक्ट्स को गर्म करने, उबालने या लंबे समय तक इस्तेमाल से BPA दूध या पानी में मिल सकता है, जो सेहत के लिए नुकसानदायक है। भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) ने साल 2015 में बच्चों के इस्तेमाल में लाई जाने वाली प्लास्टिक बोतलों में BPA के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन हैरानी की बात ये है कि अब भी कई कंपनियां इस केमिकल का इस्तेमाल कर रही हैं।

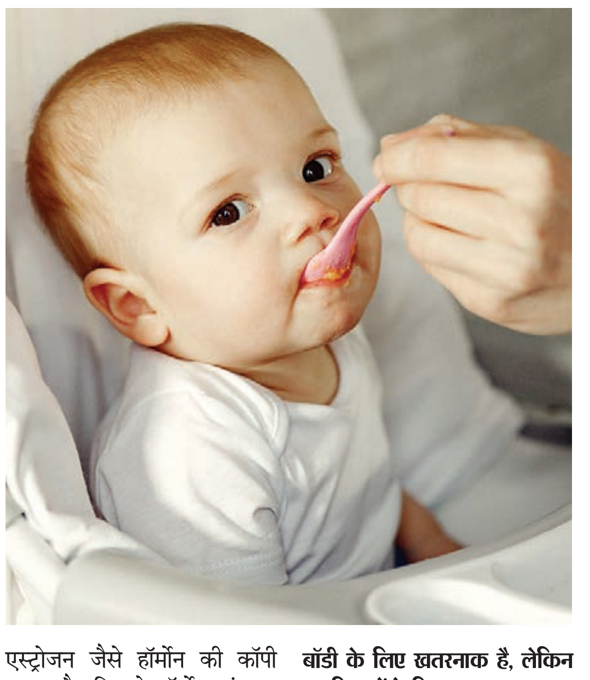

**Q. बीपीए (Bisphenol-A) इंसान के शरीर को कैसे नुकसान पहुंचाता है?**

A. BPA एक एंडोक्राइन डिसरप्टर है यानी यह शरीर के हॉर्मोन सिस्टम में गड़बड़ी पैदा करता है। यह एस्ट्रोजन जैसे हॉर्मोन की कॉपी करता है, जिससे हॉर्मोन संतुलन बिगड़ सकता है। लंबे समय तक इसके संपर्क से इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है। ब्रेन और नर्वस सिस्टम के विकास पर असर पड़ सकता है।

कुछ स्टडीज में इसे हार्ट डिजीज, लिवर डिजीज, मेटाबॉलिक प्रॉब्लम्स (जैसे मोटापा और डायबिटीज) और कुछ प्रकार के कैंसर से भी जोड़ा गया है। शिशु और छोटे बच्चे इसके दुष्प्रभावों के प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं क्योंकि उनका शरीर अभी डेवलपिंग स्टेज में होता है।

**Q. माइक्रोप्लास्टिक किसी भी ह्यूमन बॉडी के लिए खतरनाक है, लेकिन यह शिशुओं के लिए ज्यादा खतरनाक क्यों है?**

A. दरअसल शिशुओं का इम्यून सिस्टम, पाचन तंत्र और ब्रेन डेवलपमेंट शुरुआती फेज में होता है। इसलिए माइक्रोप्लास्टिक उनके लिए ज्यादा नुकसानदायक होता है। शिशुओं का शरीर छोटा और वजन कम होता है, इसलिए माइक्रोप्लास्टिक का प्रभाव उन पर वयस्कों की तुलना में ज्यादा होता है।

इसके अलावा शिशुओं को ज्यादातर लिक्विड डाइट दी जाती है। साथ ही वे फीडिंग बोतलों, टीथर व खिलौनों के संपर्क में ज्यादा रहते हैं। इससे माइक्रोप्लास्टिक उनके शरीर में पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है।

**Q. शिशुओं को प्लास्टिक बोतल से दूध पिलाने पर उनकी सेहत पर क्या असर पड़ता है?**

A. लंबे समय तक प्लास्टिक बोतल से दूध पिलाने पर शिशु के शरीर में माइक्रोप्लास्टिक और कुछ खतरनाक केमिकल्स पहुंच सकते हैं। इससे कई स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

**Q. लॉन्ग टर्म में माइक्रोप्लास्टिक के क्या साइड इफेक्ट हो सकते हैं?**

A. लंबे समय तक माइक्रोप्लास्टिक के एक्सपोजर से ये शरीर में जमा होकर क्रॉनिक इंफ्लेमेशन पैदा कर सकते हैं। इससे पाचन तंत्र, इम्यून सिस्टम और मेटाबॉलिज्म प्रभावित होता है।

**Q. लोगों को लगता है कि उबालने से बोतल के बैक्टीरिया मर जाते हैं। क्या ये बात सही है?**

A. उबालने या गर्म पानी से स्टरलाइज करने पर बोतल में मौजूद बैक्टीरिया तो मर जाते हैं, लेकिन इससे माइक्रोप्लास्टिक और अन्य खतरनाक केमिकल्स रिलीज होते हैं। रिसर्च में पाया गया है कि जितने अधिक तापमान पर बोतल को स्टरलाइज किया जाता है, उतनी ही ज्यादा मात्रा में माइक्रोप्लास्टिक रिलीज होते हैं। यानी उबालना बैक्टीरिया के लिए असरदार है, लेकिन लंबे समय में यह शिशु के लिए कई तरह के हेल्थ रिस्क पैदा कर सकता है। इसलिए डॉक्टर्स सलाह देते हैं कि शिशुओं को दूध पिलाने के लिए नॉन-प्लास्टिक विकल्प अपनाएं।

**Q. शिशु को दूध पिलाने के लिए प्लास्टिक बोतलों का विकल्प क्या है?**

A. प्लास्टिक की जगह कांच या स्टील की बोतल का इस्तेमाल करना चाहिए। ये सबसे अच्छी होती हैं। इन्हें आसानी से साफ किया जा सकता है। ठंडे–गर्म के साथ यह केमिकली रिएक्ट नहीं करती हैं। इन्हें उबाल भी सकते हैं, फ्रिज में भी रख सकते हैं। हर स्थिति में यह सुरक्षित है।

**Q. मार्केट में बहुत सी ऐसी प्लास्टिक बोतलें भी मिलती हैं, जिन पर 'BPA-Free' लिखा होता है। क्या ये वाकई 'BPA-Free' और पूरी तरह सुरक्षित होती हैं?**

A. 'BPA-Free' लेबल का मतलब सिर्फ ये है कि उस बोतल में बिसफेनॉल-A नहीं यूज किया गया है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि वह पूरी तरह सुरक्षित है। कई मामलों में BPA की जगह BPS, BPF या अन्य प्लास्टिक केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है। इनका शरीर पर असर BPA जैसा ही हो सकता है।

इसके अलावा BPA-Free बोतलें भी गर्म करने, उबालने या बार-बार इस्तेमाल करने पर माइक्रोप्लास्टिक छोड़ सकती हैं। इसलिए 'BPA-Free' बोतलों को पूरी तरह रिस्क-फ्री नहीं कहा जा सकता है। इसलिए जहां तक संभव हो, ग्लास, स्टील या अन्य नॉन-प्लास्टिक विकल्प ही यूज करें।

---

# विटामिन-डी की कितनी मात्रा है पोषण के लिए ज़रूरी...

आज के दौर में विटामिन-डी की कमी एक आम समस्या बनती जा रही है। शोध बताते हैं कि हर पांच में से एक व्यक्ति इस कमी से प्रभावित है। चिंता की बात यह है कि इसकी कमी धीरे-धीरे कई तरह की स्वास्थ्य परेशानियों को जन्म देती है, क्योंकि विटामिन-डी सिर्फ़ हड्डियों को मज़बूत रखने के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे शरीर के सुचारु संचालन के लिए भी बेहद ज़रूरी है।

## ऐसे काम करता है विटामिन-डी

जब हमारी त्वचा सूर्य की किरणों के संपर्क में आती है, तब शरीर स्वयं विटामिन-डी बनाता है। यह विटामिन शरीर में कैल्शियम और फॉस्फोरस के अवशोषण में मदद करता है, जिससे हड्डियां व दांत मज़बूत बने रहते हैं। वहीं, जब शरीर में विटामिन-डी का स्तर कम हो जाता है, तो कैल्शियम ठीक ढंग से अवशोषित नहीं हो पाता। इसका सीधा असर हड्डियों, मांसपेशियों व रोग-प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। महिलाओं में हॉर्मोन संतुलन बनाए रखने में भी इसकी अहम भूमिका होती है।

## इसलिए होती है कमी

लोग ज्यादातर समय घर या कार्यालय के भीतर बिताते हैं व सुबह की धूप भी नहीं लेते। असंतुलित आहार, प्रोसेस्ड चीज़ों पर निर्भरता और बढ़ती उम्र भी इस कमी को बढ़ाते हैं।

## लक्षण बताते हैं ज़रूरत

लगातार थकान महसूस होना, हड्डियों, जोड़ों और कमर में दर्द, बार-बार सर्दी-ज़ुकाम होना, बालों का झड़ना व मनोदशा में बदलाव इसके आम संकेत हैं। लंबे समय तक विटामिन-डी की कमी से हड्डियां कमज़ोर हो जाती हैं, मांसपेशियों में कमज़ोरी और रोग-प्रतिरोधक क्षमता से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं, ख़ासकर महिलाओं और बुज़ुर्गों में।

## यहां मिलेगा विटामिन-डी

धूप सबसे अच्छा स्रोत है, विटामिन-डी पाने का। सुबह 8:30-10:30 बजे के बीच धूप में 15-20 मिनट बैठें। हाथ, पैर और चेहरा खुले हों, इसका ध्यान रखें। शीशे की आड़ में, बादलों वाली धूप में या सनस्क्रीन लगाकर धूप न लें।

- **आहार...** घी, मक्खन, दूध या दही लें। घर का बना पनीर लेना फ़ायदेमंद है। तिल, मूंगफली और चने (हड्डियों को मज़बूत करने के लिए) का सेवन करें।
- **मांसाहारी आहार...** अंडे की ज़र्दी (2-3 बार/सप्ताह) लें। फैटी मछलियां, जैसे- मैकेरल, हिल्सा और सारडिन आदि विटामिन-डी का अच्छा स्रोत हैं। इन्हें नियमित आहार में शामिल करें। इनके अलावा, रोहू, साल्मन और ट्यूना मछलियां भी विटामिन-डी के अच्छे स्रोत होती हैं, जिनका सेवन सप्ताह में 1-2 बार करें।
- **3 सप्लीमेंट्स...** आहार से विटामिन-डी की पूर्ति नहीं की जा सकती। अधिक कमी की स्थिति में चिकित्सक की सलाह पर सप्लीमेंट्स लिए जाते हैं। इसे ख़ुद न लें।

### कैल्शियम के साथ फायदा मिलेगा...

विटामिन-डी कैल्शियम के साथ लेने से फ़ायदा मिलता है। उदाहरण के लिए...

- **फैटी फिश और तिल/चना :** मछली में विटामिन-डी और तिल/चने में कैल्शियम और खनिज होते हैं।
- **अंडे की ज़र्दी व दूध/दही :** अंडे की ज़र्दी में विटामिन-डी व दूध/दही में कैल्शियम होता है।
- विटामिन-डी और कैल्शियम का सही संयोजन होना जरूरी है, लेकिन सही मात्रा के बिना सिर्फ़ संयोजन से कमी पूरी नहीं होती। इसलिए इसके लिए आहार विशेषज्ञ की सलाह लें तो बेहतर है।

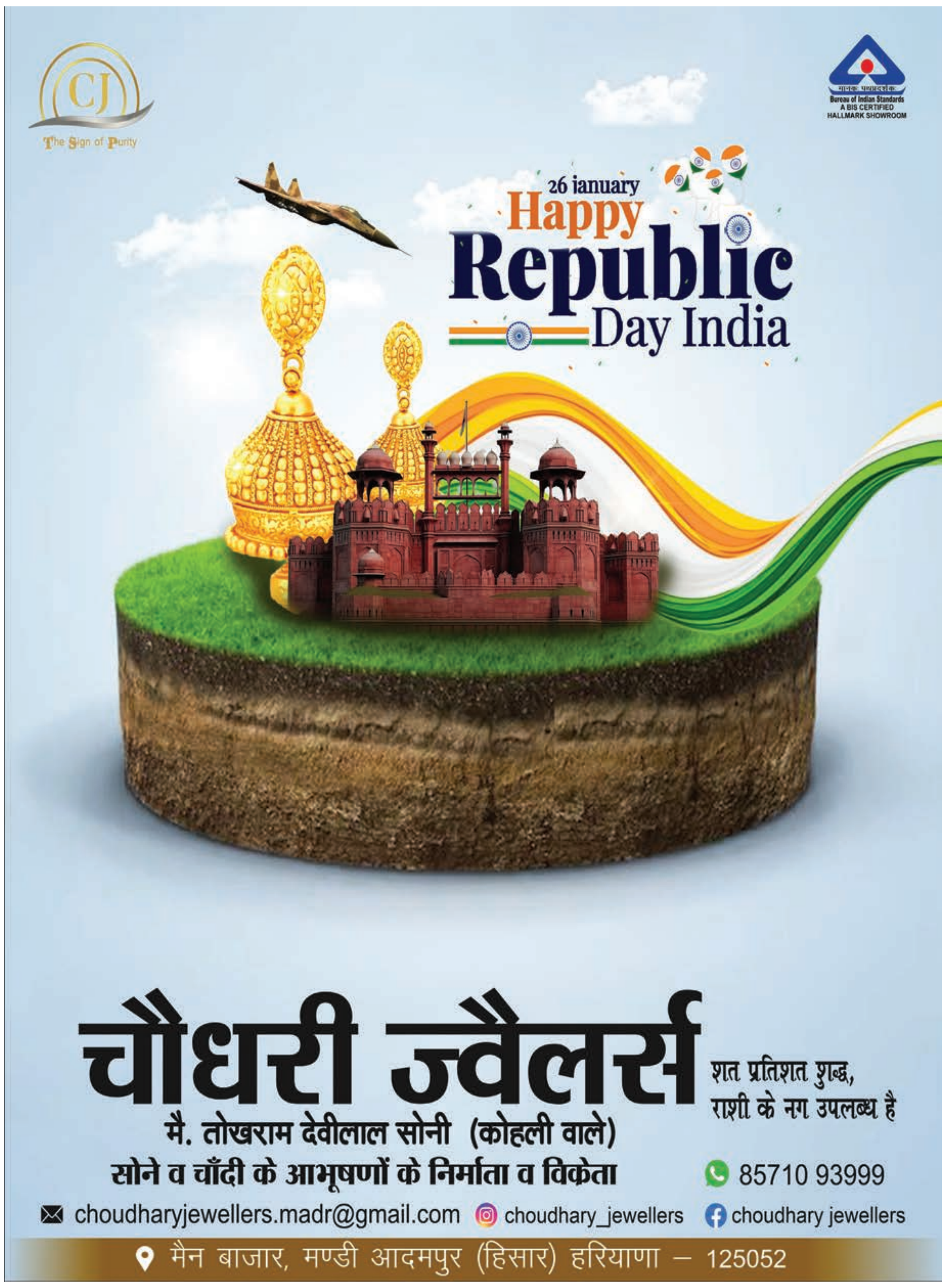

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहुल कुमार, फोन : 9306813001, e-mail : rajdhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)